हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

सपने में आते हैं विचित्र दृश्य

ग्राम इंजरम के पटेल पंडा दुला ने बताया कि प्रशासन ने भले ही सुरक्षा के लिहाज से चार दिवारी से मूर्तियों को सुरक्षित कर दिया हो, लेकिन मंदिर को लेकर बहुत सारी दिक्कतें हैं।

शेष पेज 5 पर

श्रीराम नहीं चाहते मंदिर बने!

पुजारी कहते हैं कि मंदिर बनाने के विचार से ही होने लगती है तबियत खराब

लीलाधर राठी/सुकमा। सुकमा जिले के घोर नक्सल प्रभावित कहे जाने वाले ग्राम इंजरम के ग्रामीणों को आज भी भगवान के आदेश का इंतजार है। एनएच 30 के किनारे बसे ग्राम में रखी हजारों वर्ष पुरानी भगवान राम सहित अन्य मूर्तियों को छत देने के लिए उस दिन का इंतजार हो रहा है, जब भगवान श्रीराम किसी पेरमा पुजारी के मुख से अपने मंदिर के लिए अनुमति देंगे। अभी हाल यह है कि केवल मंदिर बनाने के शेष पेज 5 पर

जब तक भगवान नहीं बोलेंगे तब तक नहीं बनेगा मंदिर

ग्रामवासी व वहां के पुजारी भगवान राम के आदेश का इंतजार कर रहे हैं। गांव के पंडा परिवार के सदस्य वर्षों से उक्त स्थल की पूजा कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इंजरम में जब भी मंदिर की स्थापना का काम शुरू होता है, तो यहां काम करने वाले मजदूर बीमार शेष पेज 5 पर

रामाराम को करेंगे पूर्ण

कलेक्टर हरिस एस ने कहा कि राम वन गमन की दृष्टि से रामाराम व इंजरम महत्वपूर्ण है। पहली प्राथमिकता रामाराम को पूर्ण करना है, उसके बाद इंजरम के ग्रामीणों से सहमति लेकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अलग खबर

बाइक रैली में शामिल होंगे कई दिग्गज संत

दीपावली जैसा उत्सव मनाने की पूरी तैयारी

कालीचरण महाराज को भी आमंत्रण

राम के रंग में रंगा छत्तीसगढ़

अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर में भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम होगा। इस दिन पूरे देश में दीपावली जैसा उत्सव मनाने की पूरी तैयारी है। अपने राज्य छत्तीसगढ़ में भी विश्व हिंदू परिषद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, बजरंग दल, भाजपा के साथ ही कई सामाजिक संगठन इस दिन के लिए अलग-अलग तैयारी में लगे हैं। विहिप की 20 जनवरी को राजधानी रायपुर में बड़ी बाइक रैली होगी। 21 जनवरी को शोभायात्रा आयोजित की जाएगी। इसमें प्रदेश भर के कई दिग्गज संत शामिल होंगे। इसमें कालीचरण महाराज को शेष पेज 5 पर

बाइक रैली में आएंगे ये संत

प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन के दो दिन पहले सर्व हिंदू समाज की राजधानी रायपुर में काली माता मंदिर से भव्य जागरण बाइक रैली निकलेगी। इसमें दस हजार बाइकर्स शामिल होंगे। इसमें सबसे अहम यह है कि इस रैली में शामिल होने के लिए शेष पेज 5 पर

हैदराबाद में पकड़ाया असीम हत्याकांड का शूटर

हरिभूमि न्यूज | कांकेर

असीम हत्याकांड में 11 आरोपियों को जेल दाखिल करने के बाद गोली मारने वाले शूटर को कांकेर पुलिस ने बीती रात को हैदराबाद से हिरासत में लिया है। फिलहाल पुलिस के द्वारा अधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। चर्चा है कि रविवार को पुलिस कोई बड़ा खुलासा कर सकती है। जानकारी के अनुसार असीम राय को गोली मारने वाला शूटर थाना बांदे के पीव्ही 82 निवासी विकास तालुकदार पिता विश्वनाथ तालुकदार को हिरासत में लेने का हल्ला सुबह से मचा हुआ है। पुलिस इस पर कोई अधिकृत बयान नहीं दे रही है। कयास लगाया जा रहा है कि शूटर से हत्या में उपयोग में लाई गई पिस्टल को शेष पेज 5 पर

ईडी ने सोरेन को भेजा आखिरी नोटिस कहा- आप आइए, नहीं तो हम आएंगे

प्रवर्तन निदेशालय ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को 8वीं बार फिर समन भेजा है। सीएम से चिट्ठी का जवाब देने को कहा गया है और एजेंसी के सामने 16-20 जनवरी के बीच पेश होने को कहा है। चिट्ठी में साफ कहा गया है कि इस बार या तो सीएम खुद पेश हों और या नहीं तो ईडी के अधिकारी उनसे पूछताछ के लिए पहुंचेंगे। इधर, दिल्ली के मुख्यमंत्री को ईडी ने चौथी बार नोटिस भेजा है।

हरिभूमि न्यूज | नई दिल्ली/रांची

- झारखंड सीएम को 16 से 20 जनवरी तक का भेजा बुलावा

ईडी की ताजा चिट्ठी को हेमंत सोरेन के खिलाफ ईडी का आठवां समन माना जा रहा है। केंद्रीय एजेंसी ने अपनी पिछली चिट्ठी में कहा था कि जमीन घोटाला केस में सीएम का बयान दर्ज करना जरूरी है और सीएम चाहें तो इसके लिए जगह और समय खुद ही तय कर सकते हैं। ईडी ने रांची के बड़गाई इलाके में फर्जी दस्तावेजों से आदिवासियों की जमीन की खरीद-बिक्री से जुड़े शेष पेज 5 पर

सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट से भी नहीं मिली राहत

सुप्रीम कोर्ट ने सीएम सोरेन को हाई कोर्ट जाने को कहा था लेकिन तब तक एजेंसी ने उन्हें दूसरा समन भेज 9 सितंबर को तलब कर लिया. बाद में मुख्यमंत्री ने 13 अक्टूबर को हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की लेकिन हाई कोर्ट से भी उन्हें कोई राहत नहीं मिली।

बार-बार समन के बाद भी पेश नहीं हुए सीएम

बताया जा रहा है कि हेमंत सोरेन ने सभी समन का जवाब दिया है लेकिन बयान दर्ज कराने के लिए वह पेश नहीं हुए हैं। वह ईडी समन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट और झारखंड हाई कोर्ट भी पहुंचे लेकिन उन्हें कोई राहत नहीं मिली।

केजरीवाल को चौथा समन, 18 को बुलाया

दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में ईडी के समक्ष पेश होने संबंधी तीन समन को नजरंदाज करने वाले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एजेंसी ने तीन माह से भी कम समय में चौथी बार समन जारी कर 18 जनवरी को पूछताछ के लिए बुलाया है।

आप बोली-भाजपा कर रही ईडी का दुरुपयोग

आप नेता एवं दिल्ली के मंत्री गोपाल राय ने कहा कि भाजपा आगामी लोकसभा चुनावों में केजरीवाल को प्रचार से रोकने के लिए ईडी का 'दुरुपयोग' कर रही है।

कोलकाता के कारोबारी ने सट्टा एप की रकम शेयर बाजार में खपाई

महादेव सट्टा एप में शामिल गिरफ्तार आरोपी के विदेश में बैंक अकाउंट

हरिभूमि न्यूज | रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

महादेव सट्टा एप से जुड़े जिन दो कारोबारी रायपुर निवासी अमित अग्रवाल तथा कोलकाता निवासी नितिन टिबरेवाल को ईडी ने शुक्रवार को पूछताछ करने के बाद पांच दिन की रिमांड पर लिया है, उनके बारे में ईडी ने शनिवार को बयान जारी कर जानकारी देते हुए बताया है कि गिरफ्तार कारोबारी के विदेश में बैंक अकाउंट है जबकि नितिन ने सट्टे की एक बड़ी रकम शेयर बाजार में निवेश की है।

ईडी ने अपने बयान में कहा कि महादेव सट्टा एप मामले में अब तक पौने छह सौ करोड़ सीज किए शेष पेज 5 पर

महादेव एप का हवाला के जरिए पैसा

हरिभूमि न्यूज

- पूछताछ के लिए 17 जनवरी तक कोर्ट ने ईडी की रिमांड पर दिया
- छत्तीसगढ़ सहित दुबई में प्रापर्टी खरीदने के साक्ष्य मिलने की बात सामने आ रही

महादेव सट्टा एप से ... कारोबारी जिसमें एक ... दूसरा रायपुर का है, को... में लिया है। दोनों ... पूछताछ करने के बा... विशेष न्यायाधीश अज...

पौने छह सौ करोड़ रुपए निवेश करने की जानकारी

ईडी द्वारा जारी बयान के मुताबिक अब तक की जांच में 572.41 करोड़ रुपए की चल संपत्ति जब्त की है। इसके साथ ईडी के अफसरों को पौने छह सौ करोड़ रुपए संपत्ति में निवेश शेष पेज 5 पर

NUVOCO Shaping a new world | DURAGUARD CEMENT

सीधी बात है DURAGUARD ख़ास है

फाइबर रिंइफोर्स्ड पेटेंट क्रमांक 433981 सीमेंट कम्पोजीशन

भारत का सर्वप्रथम पेटेंटेड फाइबर टेक्नोलॉजी युक्त **सीमेंट**

Toll-free: 1800 345 6666

WhatsApp 'NUVOCO' to 98300 17272

Choose from our range of **60+ products** in: **Cement | Modern Building Materials | Ready Mix Concrete**

CONCRETO DURAGUARD DOUBLE BULL ZERO M Artiste InstaMix Ecodure

*Such claims are not covered under the Scope of BIS Licence granted to us and the responsibility of such claims lies with us.

मकर संक्रांति किसानों के लिए बहुत अधिक महत्वपूर्ण होती है, इसी दिन सभी किसान अपनी फसल काटते है. मकर संक्रांति भारत का सिर्फ एक ऐसा त्यौहार है जो हर साल 14 जनवरी को ही मनाया जाता है. यह वह दिन होता है जब सूर्य उत्तर की ओर बढ़ता है. हिन्दूओं के लिए सूर्य एक रोशनी, ताकत और ज्ञान का प्रतीक होता है. मकर संक्रांति त्यौहार सभी को अँधेरे से रोशनी की तरफ बढ़ने की प्रेरणा देता है. एक नए तरीके से काम शुरू करने का प्रतीक है. मकर संक्रांति के दिन, सूर्योदय से सूर्यास्त तक पर्यावरण अधिक चैतन्य रहता है, यानि पर्यावरण में दिव्य जागरूकता होती है, इसलिए जो लोग आध्यात्मिक अभ्यास कर रहे है, वे इस चैतन्य का लाभ उठा सकते है

मकर संक्रांति के शुभ मुहूर्त में स्नान, दान, व पूण्य का विशेष महत्व है. इस दिन लोग गुड़ व तिल लगाकर किसी पावन नदी में स्नान करते है. इसके बाद भगवान् सूर्य को जल अर्पित करने के बाद उनकी पूजा की जाती हैं और उनसे अपने अच्छे भविष्य के लिए प्रार्थना की जाती है।

Contact for Ad
Mob.: 9340808313

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com रायपुर, रविवार 14 जनवरी 2024

नंबर वन ट्रेंड करता रहा #सुशासन का एक महीना

■ सोशल मीडिया में छाया रहा छत्तीसगढ़ सरकार का उपलब्धियों भरा एक महीना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली वर्तमान छत्तीसगढ़ सरकार को 13 जनवरी को एक महीने पूरे हो गए। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ सहित देश भर से सोशल मीडिया यूजर्स छत्तीसगढ़ सरकार के सेवा, सुशासन और उपलब्धियों से भरे एक महीने को लेकर अपनी भावनाएं साझा करते रहे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब पर फोटो, वीडियो, रील आदि क्रिएटिव पोस्ट के साथ इस शानदार एक महीने की चर्चा करते रहे। छत्तीसगढ़ सरकार के एक महीने के कामकाज को लेकर लोगों खासकर युवाओं के उत्साह ⏭ शेष पेज 5 पर

एक महीने पहले ली थी शपथ

ठीक एक महीना पहले 13 दिसंबर को राजधानी के साइंस कॉलेज मैदान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अनेक केंद्रीय मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों व राज नेताओं की गरिममयी उपस्थिति में महामहिम राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा उप मुख्यमंत्री द्वय श्री अरुण साव व श्री विजय शर्मा को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई थी।

पीएससी की अनोखी सूची : शर्मा, चतुर्वेदी और परमार एससी में, अग्रवाल बन गए ओबीसी !

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अलग खबर

विवाद में रहने वाले छत्तीसगढ़ लोकसेवा आयोग का दामन सिविल जज भर्ती परीक्षा में नहीं बच पाया। हालांकि इस बार विवाद अनोखे तरीके का है। इसकी चयन सूची पीएससी ने कुछ दिनों पूर्व जारी की थी। अब यह चयन सूची नामों के आगे उल्लेखित जाति को लेकर वायरल हो रही है। दरअसल इस सूची में शर्मा, चतुर्वेदी और परमार उपनाम अर्थात सरनेम वाले कैंडिडेट्स के नाम के आगे एससी लिखा हुआ है। वहीं अग्रवाल नाम वाले अभ्यर्थियों को ओबीसी कैटेगरी में रख दिया गया है। हालांकि पीएससी चेयरमैन ने हरिभूमि से चर्चा में इस विवाद को खत्म किया। कहा कि ⏭ शेष पेज 5 पर

पीएससी ने कहा, जांच प्रारंभ से ही

वहीं पीएससी ने इसे पूरी तरह से सही ठहराया है। पीएससी के एक उच्च अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जो भी कैंडिडेट्स परीक्षा में शामिल होते हैं, उनकी जाति सहित अन्य तरह की जांच प्रारंभिक परीक्षा के दौरान ही कर ली जाती है। लिस्ट में जिस अभ्यर्थी के नाम के आगे जिस जाति का जिक्र है, वह सही है। यदि किसी को कोई आपत्ति है, तो वे आरटीई लगा सकते हैं। आयोग द्वारा पूरी जानकारी विस्तारपूर्वक तथ्यों के साथ दी जाएगी। वायरल सूची के अनुसार, पंकज शर्मा, सर्विका चतुर्वेदी और रंभा परमार को एससी वर्ग में रखा गया है। वहीं पूजा अग्रवाल को ओबीसी कैटेगरी में रखा गया है, जबकि उक्त उपनाम वाली जातियां सामान्य वर्ग के अंतर्गत गिनी जाती हैं। इसी वजह से सूची वायरल हो गई और लोग चयन सूची पर सवाल उठाने लगे।

पीएससी चेयरमैन ने कहा-सरनेम को लेकर गलतफहमी, सब नियमानुसार

■ सिविल जज भर्ती परीक्षा के परिणाम कुछ दिनों पूर्व ही किए गए हैं जारी

ऐसा दो वजहों से

पीएससी के एक अन्य अधिकारी ने बताया, इस तरह की स्थिति दो वजहों से निर्मित होती है। प्रथम यदि किसी महिला द्वारा दूसरी जाति में विवाद किया गया है तो वह सरनेम अपने पति का लिख सकती है, लेकिन जाति पिता की ही मान्य होगी। द्वितीय स्थिति दूसरे राज्य के कैंडिडेट्स के कारण निर्मित होती है। कई जातियां ऐसी हैं, जो हमारे यहां सामान्य वर्ग में आती हैं, लेकिन दूसरे राज्य में उन्हीं जातियों को अन्य वर्गों में रखा जाता है। ऐसे में उस राज्य द्वारा प्रदान किए गए जाति प्रमाण पत्र के आधार पर ही अभ्यर्थी की जाति तय होती है।

कांग्रेस का डीएनए ही हिंदू विरोधी, सोनिया, खड़गे न्योता फिर भी नहीं आ रहे अयोध्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने राम मंदिर मामले में कांग्रेस पर जमकर हमला किया। उनका कहना है, कांग्रेस का डीएनए ही हिंदू विरोधी है। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सोनिया गांधी को निमंत्रण दिया गया है, फिर भी वे नहीं जा रहे हैं। राहुल गांधी की न्याय यात्रा को लेकर तंज कसते हुए कहा, उनको ज्ञान यात्रा निकालनी ⏭ शेष पेज 5 पर

■ केंद्रीय मंत्री ने कहा- राहुल गांधी को ज्ञान यात्रा निकालनी चाहिए

भूपेश सरकार में सिर्फ घोटाला हुआ

केंद्रीय मंत्री ने पंचायत विभाग में हुए घोटालों की जांच पर कहा, भूपेश बघेल की सरकार में सिर्फ घोटाले हुए हैं। उन्होंने कहा, घोटाल कहां कहां हुआ है, उसी की जानकारी के लिए आया हूं। खासकर पंचायतों में गोठान निर्माण में जमकर भ्रष्टाचार किया गया है। मनरेगा के कार्यों में अंकेक्षण विभाग ⏭ शेष पेज 5 पर

अंतर्राज्यीय चेकपोस्ट रेहटीखोल के पास पांच संदिग्धों से हुआ बरामद

कार के चैंबर से पौने आठ किलो सोने के बिस्किट बरामद, कीमत 4.75 करोड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

लग्जरी वाहन में चेंबर बनाकर पौने 5 करोड़ का सोना अवैध तरीके से परिवहन कर रहे 5 संदिग्धों से पुलिस पूछताछ कर रही है। वाहन और सोने को जप्त कर मामले को भारत सरकार के डीआरआई विभाग को सौंप दिया गया है। वहीं अब तक संदिग्धों द्वारा भारी मात्रा में सोने को खड़गपुर से महाराष्ट्र के पुणे ले जाए जाने संबंधी दस्तावेज मुहैया नही करा पाए हैं।

पुलिस अधीक्षक ने मामले का खुलासा करते हुए एसपी राजेश कुकरेजा ने बताया कि शनिवार को सिंघोड़ा पुलिस चेकपोस्ट पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी ⏭ शेष पेज 5 पर

खड़गपुर से महाराष्ट्र के पुणे ले जा रहे थे सोने को

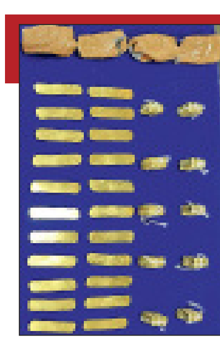

पिछली सीट के नीचे चैंबर

पुलिस ने शंका होने पर वाहन की तलाशी ली तो पिछली सीट के नीचे एक चैंबर में चार पैकेट मिले। जिसमें एक पैकेट से 20 नग सोने का बिस्कुट 2.482 किलो, दूसरे पैकेट से 19 नग सोने का बिस्कुट वजन 2.411 किलो, तीसरे पैकेट से 11 नग सोने की पत्ती वजन 1.279 किलो और चौथे पैकेट से 1.279 किलो सोने की पत्ती कुल सोना 7.451 किलो रैपर का वजन 0.41 ग्राम कुल वजनी 7.861 किलो (कीमती 4 करोड़ ⏭ शेष पेज 5 पर

सोने के साथ मोबाइल भी

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सोना ले जा रहे व्यक्ति खड़गपुर कोलकाता हाईवे से पुणे महाराष्ट्र ले जा रहे थे। पुलिस ने कार में सवार व्यक्तियों से सोने के बिस्कुट और सोने की पत्ती सहित पांच नग विभिन्न कंपनी के मोबाइल और तस्करी में प्रयुक्त दो वाहन भी जब्त किया है। जब्त सोना को ⏭ शेष पेज 5 पर

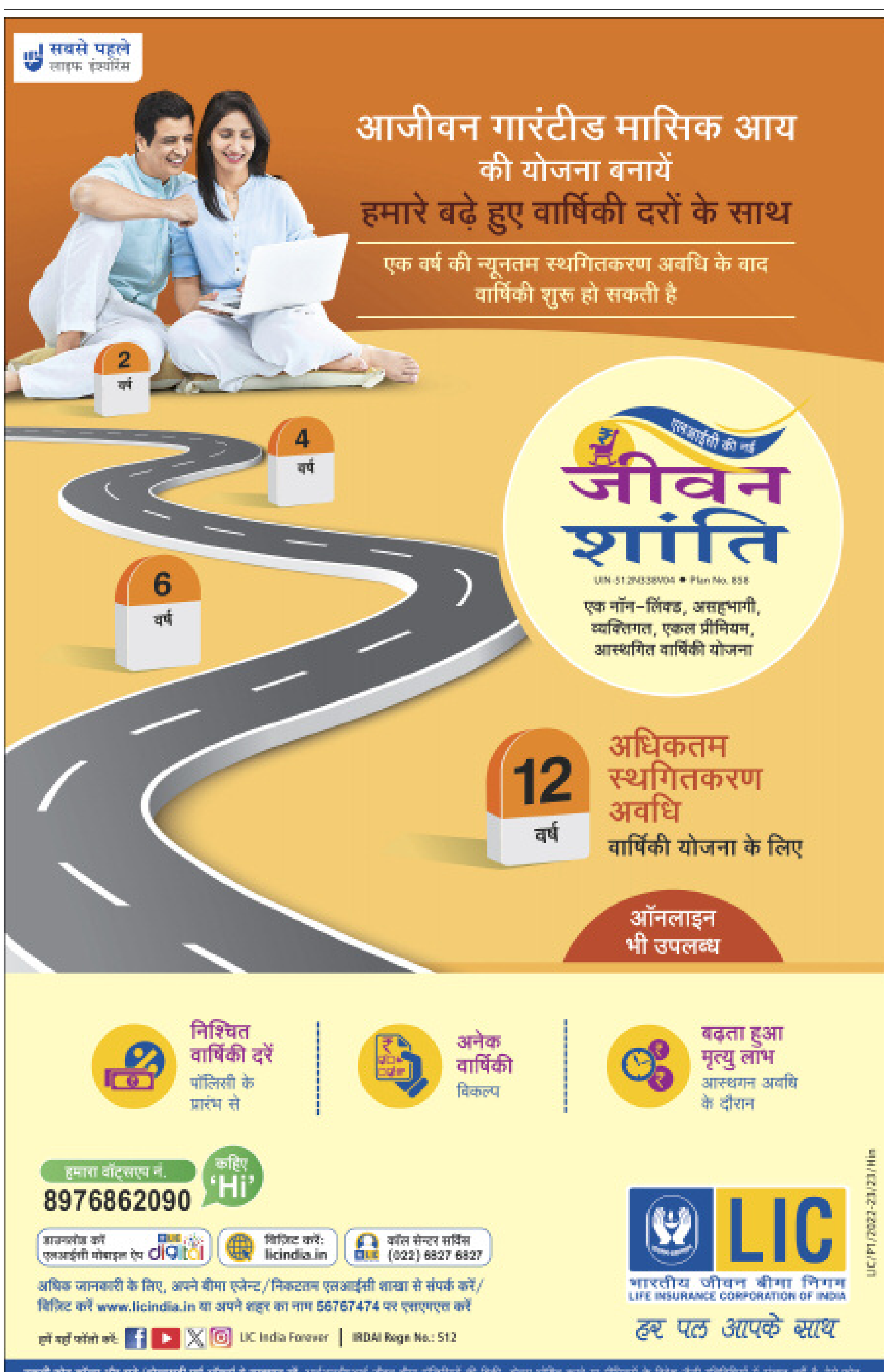

इंडिया गेट

शिमला

उत्तर भारत में कोहरे का कहर, गुवाहाटी फ्लाइट ढाका डायवर्ट, ट्रेनें लेट, स्कूल और कॉलेज बंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

पूरे उत्तर भारत को इन दिनों ठंड के साथ ही शीतलहर और कोहरे ने जकड़ा हुआ है। शीतलहर और कोहरे की चादर में इन दिनों पूरा उत्तर भारत सहित देश के कई राज्य घिरे हुए हैं।

मुंबई से गुवाहाटी जाने वाली इंडिगो फ्लाइट की शनिवार को बांग्लादेश के ढाका में लैंडिंग कराई गई। गुवाहाटी में घने कोहरे के कारण फ्लाइट लैंड नहीं हो सकी और उसे डायवर्ट किया गया। इसी प्रकार देशभर में कई ट्रेनें घंटों लेट चल रहीं हैं। ठंड व कोहरे को देखते हुए कई राज्यों में स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले दो दिन उत्तर भारत में और तीन दिनों तक उत्तर पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में ठंड और शीतलहर का असर रहेगा।

दिल्ली-एनसीआर में ठंड का सितम जारी है। साथ ही साथ आज पूरे दिल्ली-एनसीआर में घने कोहरे और ठंड को लेकर भी मौसम विभाग का रेड अलर्ट जारी किया है। ट्रैफिक के ऊपर कोहरे का सीधा असर होता नजर आ रहा है। आज मौसम विभाग की तरफ से ठंड, कोल्ड डे और कुछ जगहों पर दो दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

देश के कई राज्यों में स्कूल-कॉलेज बंद

वहीं, बिहार में बढ़ती ठंड को लेकर दिल्ली, पंजाब, बिहार, यूपी के अलग-अलग जिलों के स्कूलों को बंद किया जा रहा है। इन राज्यों में कक्षा 8वीं तक के सभी सरकारी और निजी विद्यालयों को बंद करने का आदेश जारी कर दिया है। दिल्ली व पंजाब तथा उत्तराखंड में स्कूलों के साथ ही कॉलेज भी बंद करा दिए गए हैं। चौक-चौराहों पर अलाव की व्यवस्था की जा रही है।

माउंट आबू में माइनस में गिरा पारा

जान लें कि दिल्ली से सटे हरियाणा की हालत भी बेहद खराब है। राजस्थान के माउंट आबू में तो कई जगह बर्फबारी के कारण गाड़ियों ऊपर बर्फ जम गई है। यहां कोहरा गाड़ियों के साथ-साथ लोगों के कामकाज की रफ्तार को भी रोक देता है।

ढाका में 12 घंटे विमान में बैठे रहे यात्री, कारण यह था....

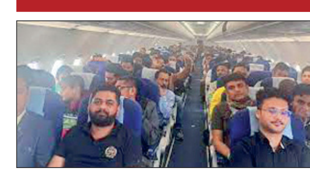

मुंबई से गुवाहाटी जाने वाली इंडिगो फ्लाइट की शनिवार को बांग्लादेश के ढाका में लैंडिंग कराई गई। गुवाहाटी में घने कोहरे के कारण फ्लाइट लैंड नहीं हो सकी और उसे डायवर्ट किया गया। इस फ्लाइट में 178 पैसेंजर्स सवार थे। चूंकि डोमेस्टिक फ्लाइट होने के कारण सभी यात्री बिना पासपोर्ट के सफर कर रहे थे, इसलिए ढाका में उन्हें फ्लाइट से उतरने की इजाजत नहीं मिली। इसके कारण यात्रियों को 12 घंटे फ्लाइट के अंदर ही बैठना पड़ा। रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई से गुवाहाटी जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई 5319 शुक्रवार की रात 11:12 बजे चली थी। शनिवार सुबह 3:26 बजे तक इसे गुवाहाटी पहुंचना था, लेकिन कोहरे के कारण इसे डायवर्ट करना पड़ा।

राष्ट्रपति मुर्मू को दिया प्राण प्रतिष्ठा समारोह का न्योता

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाली रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को कुछ ही दिन बचे हैं। इसी बीच शुक्रवार को राम मंदिर ट्रस्ट के एक प्रतिनिधित्व करने वाले एक प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और उन्हें अयोध्या में होने वाले समारोह में शामिल होने के लिए औपचारिक रूप से आमंत्रित किया। राष्ट्रपति से मुलाकात करने वाले डेलिगेशन में राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा, विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख राल लाल ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण दिया है।

राष्ट्रपति ने जताई खुशी

वीएचपी नेता ने आगे कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्राण प्रतिष्ठा का न्योता मिलने पर खुशी जताई है और कहा कि वह जल्द ही अयोध्या जाने के अपने दौरे का समय तय करेंगी। वहीं, राष्ट्रपति से पहले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने प्राण प्रतिष्ठा का न्योता मिलने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि मैं आपने तीन पीढ़ियों के साथ निश्चित तौर पर अयोध्या धाम आऊंगा। मैं इस निमंत्रण को पाकर खुद को अभिभूत महसूस कर रहा हूं।

तीन साधुओं की बंगाल में हुई पिटाई, 12 गिरफ्तार

एजेंसी ⏭ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में एक बार फिर इंसानियत शर्मसार हो गई। जहां बंगाल में पालघर जैसे घटना सामने आई है। यहां पर पुरुलिया में भारी भीड़ ने गंगासागर जा रहे तथा रास्ता भटक गए यूपी के 3 साधुओं को बच्चा चोर समझकर बेरहमी से पिटाई कर दी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वहीं अब इस मामले में 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। बंगाल के पुरुलिया में साधुओं पर हुए हमले के बाद सियासत गर्मा गई है। बीजेपी बंगाल के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा, "पुरुलिया से चौंकाने वाली घटना। ममता बनर्जी के शासन में, शाहजहां जैसे आतंकवादी को राज्य संरक्षण मिलता है, जबकि साधुओं को हिंसा का सामना करना पड़ता है।

ममता की चुप्पी शर्मसार करने वाली : भाजपा

वीडियो को लेकर बीजेपी ने टीएमसी पर निशाना साधा है।पार्टी के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने शेयर किए वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, "ममता बनर्जी की गहरी चुप्पी शर्मशार करने वाली। क्या ये साधु आपकी मान्यता के योग्य नहीं हैं? अत्याचार जवाबदेही की मांग करता है।"

'पश्चिम बंगाल में हिंदू होना अपराध'

वहीं इस मामले पर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है, बंगाल में हिंदू होना अपराध है। तुष्टीकरण की राजनीति करके ये वातावरण खड़ा कर दिया गया है। हिंदुओं को जश्न भी नहीं मनाने दिया जा रहा। अब हिन्दू साधुओं को मारने पीटने और हत्या करने का प्रयास किया जा रहा है और राज्य सरकार मूकदर्शक बनी हुई है।

मर्डर के 11वें दिन नहर से बरामद हुआ दिव्या का शव

एजेंसी ⏭ चंडीगढ़

■ पुलिस को मिली बड़ी सफलता

मॉडल दिव्या पाहुजा मर्डर केस में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मॉडल के शव को बरामद कर लिया है। दिव्या का शव हरियाणा के फतेहाबाद के टोहाना की एक नहर से मिला है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में कर लिया है। मॉडल की हत्या के दस दिनों तक भी उसके शव का कहीं कुछ पता नहीं चल रहा था। बता दें, मृतक मॉडल दिव्या पाहुजा गुरुग्राम की रहने वाली थी। गैंगस्टर संदीप गाडोली उसका बॉयफ्रेंड था। 2017 में पुलिस ने उसे मुंबई में गिरफ्तार किया था। दिव्या पर संदीप के फर्जी एनकाउंटर का आरोप था।

रायपुर
रविवार, 14 जनवरी 2024
पौष शुक्ल पक्ष तृतीया
वर्ष : 22, अंक : 178
पृष्ठ : 12+6+4 = 22, मूल्य : 5 .00**

मौसम
अधि. 30.5
न्यून. 16.7

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

04
अमित साध पुणे हाईवे में आएंगे नजर...

विचार पेज
02 बहिष्कार की सियासत से किन्हें...

खबर संक्षेप

भारत जोड़ो न्याय यात्रा आज से

नई दिल्ली। राहुल गांधी लोकसभा चुनाव से पहले 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दूसरे चरण की शुरुआत 14 जनवरी को मणिपुर से होगी। कांग्रेस की न्याय यात्रा मणिपुर की राजधानी इंफाल की जगह अब 34 किलोमीटर दूर थौबुल से शुरू होगी। यात्रा का समापन मुंबई में होगा।

शहरों में चलेंगी ड्रोन टैक्सी!

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक और बड़ा दावा किया है। उनका कहना है कि आने वाले समय में छोटी दूरी की यात्रा तय करने के लिए शहरों में पैसेंजर ड्रोन का भी इस्तेमाल किया जाएगा। इन ड्रोन में चार लोग तक यात्रा कर सकेंगे। विशेष रूप से यह सुविधा सिटी सेंटर से एयरपोर्ट तक के लिए उपलब्ध होगी।

पीएम मोदी के खिलाफ मालदीव के मंत्रियों के कड़वे बोल से दोनों देशों में तनाव

मालदीव ने दिखाई आंखें, राष्ट्रपति बोले किसी के पास नहीं हमें धमकाने का लाइसेंस

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

मालदीव और भारत के रिश्ते पिछले कुछ दिनों से ठीक नहीं चल रहे। मालदीव के मंत्रियों द्वारा पीएम मोदी और भारत पर की गई अपमानजनक टिप्पणियों के बाद रिश्तों और खराब हो गए। हालांकि, मालदीव सरकार ने तीनों मंत्रियों को सस्पेंड कर हालात को ठीक करने की कोशिश की, लेकिन अब चीन दौरे से आने के बाद मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के तेवर भी बदल गए हैं। उन्होंने कहा है कि हम भले ही छोटे हों, लेकिन आपको हमें धमकाने का लाइसेंस नहीं मिल जाता है। चीन के पांच दिवसीय दौरे से लौटने के बाद मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू प्रेस को संबोधित कर रहे थे।

ऐसे शुरू हुआ विवाद

गौरतलब है कि पीएम मोदी हाल ही में लक्षद्वीप की यात्रा पर पहुंचे थे। यहां आने के बाद उन्होंने कहा था कि अगर आप भी प्रकृति की सुंदरता और एडवेंचर का लुत्फ लेना चाहते हैं तो लक्षद्वीप जरूर आइए।

लक्षद्वीप का क्रेज बढ़ा

बता दें कि हाल के दिनों में लक्षद्वीप का क्रेज काफी ज्यादा बढ़ा है। पीएम मोदी के दौरे के बाद गूगल सर्च में भी लक्षद्वीप का नाम काफी ज्यादा आया है। इंडियन सेलेब्स ने भी इसको लेकर सोशल मीडिया पर खूब पोस्ट्स की थीं।

विदेशी टूरिस्ट को भाया भारत, अंडमान की तारीफ

भारत को लेकर विदेशी टूरिस्ट्स में काफी ज्यादा आकर्षण है। इटली से आए फ्रैंक बिस्टोनी मालदीव के धिफुसी द्वीप पर पहुंचे। फ्रैंक ने कहा कि मैं गोवा और मुंबई जा चुका हूं। मुझे भारत में यहां की जगहें, यहां की परंपरा, यहां की संस्कृति और रंग पसंद आए।

चीन दौरे पर जिनपिंग से भी मिले थे मुइज्जू

भारत से टेंशन के बीच मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू ने चीन का पांच दिनों का दौरा किया था। इस दौरान, उनकी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की अहम मुलाकात भी हुई थी। मालदीव और चीन के बीच 20 अहम समझौते भी इस दौरे पर हुए हैं। मुइज्जू ने इस दौरे को लेकर कहा था कि वह चीन की अपनी पहली राजकीय यात्रा करने और इस वर्ष चीन की मेजबानी करने वाले पहले विदेशी राष्ट्राध्यक्ष बनने पर सम्मानित महसूस कर रहे हैं, जो पूरी तरह से दर्शाता है कि दोनों पक्ष द्विपक्षीय संबंधों के विकास को कितना महत्व देते हैं। शी ने इस बात पर जोर दिया कि चीन अपनी राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुकूल विकास पथ तलाशने में मालदीव का सम्मान करता है और उसका समर्थन करता है।

अधीर बोले- ममता बेईमान और अहंकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

विपक्षी दलों ने इंडिया गठबंधन बना तो लिया है, लेकिन दलों के बीच आपसी तालमेल ही नहीं है। सीटों के बंटवारे को लेकर रस्साकशी चल रही है। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने ममता बनर्जी को अहंकार और बेईमान करार दिया है। उन्होंने कहा कि ममता राजीव गांधी और सोनिया गांधी के नेतृत्व में नेता बनी हैं और आज उन्हीं लोगों को अहंकार दिखा रही हैं।

इंडिया के अध्यक्ष होंगे खड़गे

विपक्षी गठबंधन इंडिया की वर्चुअल बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को चेयरपर्सन बनाया गया है। कर्नाटक डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने खड़गे को सोशल मीडिया एक्स पर बधाई दी।

इधर, कांग्रेस और आप में सीट बंटवारे पर चर्चा

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के बीच बैठक खत्म हो गई है। यह बैठक मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर हुई। बैठक के दौरान राहुल गांधी भी मौजूद रहे। लोकसभा चुनाव को लेकर सीट शेयरिंग पर मंथन चल रहा है। गठबंधन को लेकर विपक्षी पार्टियां बैठक कर रही हैं।

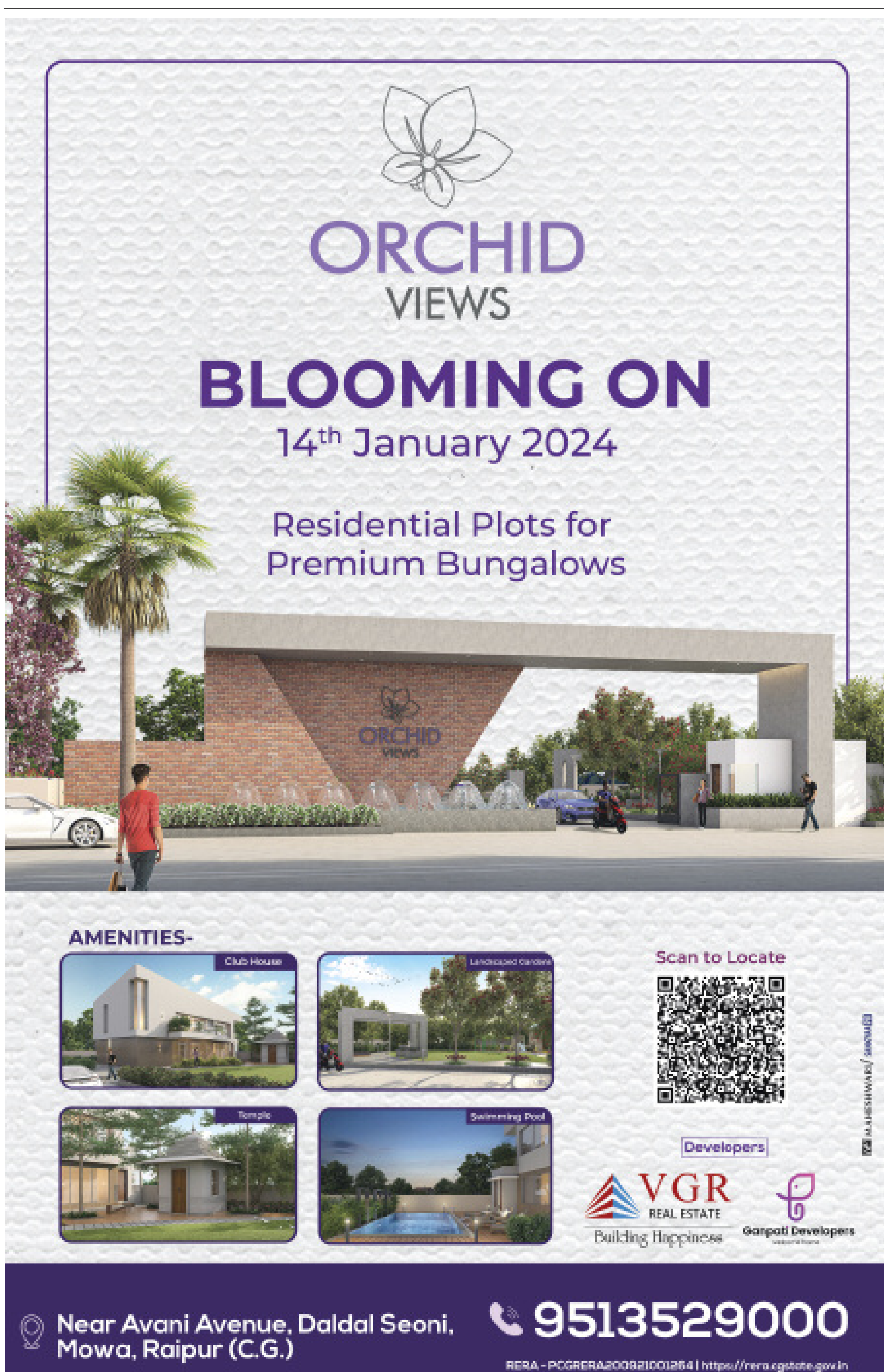

जैसे-जैसे 22 जनवरी को होने जा रही रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन करीब आ रहे हैं, देश में सियासी पारा गर्म होता जा रहा है। कांग्रेस ने आधे अधूरे मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा और धर्म को निजी मामला बता कर आमंत्रण को ठुकरा दिया है और अयोध्या में आयोजित कार्यक्रम में शरीक होने से इनकार कर दिया है। राजनीतिक जानकार इसे कांग्रेस की तुष्टिकरण राजनीति मान रहे हैं। कांग्रेस के इस फैसले पर जहां सोशल मीडिया में # हिंदू विरोधी काफी ट्रेंड हो रहा है, वहीं भाजपा उस पर हमलावर है। कांग्रेस के समय ही राम जन्म भूमि प्रांगण का ताला खुला था, अयोध्या में राम जन्म भूमि पर फैसला सुप्रीम कोर्ट ने दिया था, रामलला के मंदिर का निर्माण ट्रस्ट जनसहयोग से कर रहा है, इसके बावजूद कांग्रेस इसे भाजपा व संघ का कार्यक्रम बता रही है। क्या कांग्रेस 22 को अयोध्या इसलिए नहीं जाना चाहती है क्योंकि उसे अल्पसंख्यक वोट खोने का डर है, क्या उसे बहुसंख्यक की भावना का कद्र नहीं है? इन तमाम राजनीतिक पहलुओं का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

बहिष्कार की सियासत से किन्हें तुष्ट कर रही कांग्रेस

राम मंदिर

सुशील राजेश
वरिष्ठ पत्रकार

कांग्रेस के शीर्षस्थ नेताओं के लिए राम मंदिर समारोह 'अधूरे मंदिर की सियासत' है, लेकिन उप्र कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के साथ जो 50 कांग्रेसी नेता मकर संक्रान्ति के अगले ही दिन अयोध्या की सरयू नदी में डुबकी लगाने और फिर 'राम लला' की पुरानी प्रतिमा के दर्शन करने जा रहे हैं, उनके रामवाद और हिन्दुत्व की परिभाषा क्या है? कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भी बयान दिया है कि वह 22 जनवरी के बाद अयोध्या जाएंगे और प्रभु राम के दर्शन करेंगे। उसका फोटो भी सोशल मीडिया पर डालेंगे। पूर्व मुख्यमंत्रियों-कमलनाथ और अशोक गहलोत-ने भी सुविधा के मुताबिक अयोध्या जाने की बात कही है। सवाल है कि कांग्रेस में राम मंदिर को लेकर ऐसा विरोधाभास और द्वन्द्व क्यों है?

अयोध्या के श्रीराम मंदिर और गुजरात के सोमनाथ मंदिर में कुछ समानताएं हैं। तब सोमनाथ मंदिर का उद्घाटन करने देश के प्रथम राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद और प्रथम गृहमंत्री सरदार पटेल गए थे। प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू इसके पक्षधर नहीं थे कि राष्ट्रपति मंदिर का उद्घाटन करें और सोमनाथ मंदिर को इतना भव्य, दिव्य बनाया जाए। राष्ट्रपति और गृहमंत्री ने अपनी हिन्दूवादी भावनाओं का हवाला दिया और मंदिर का उद्घाटन किया। अब अयोध्या में राम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'यजमान' के रूप में उपस्थित होंगे। प्रभु राम के नेत्रों में काजल सजाने से लेकर 56 भोग परोसने तक प्रधानमंत्री की भूमिका रहेगी। प्रधानमंत्री सभी विधि-विधान निभाएंगे। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस समेत कई दलों के नेताओं ने समारोह का बहिष्कार किया है। यह राम मंदिर का नहीं, भारतीय संस्कृति का भी नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी और संघ परिवार की सियासत का विरोध है। यह विपक्ष की सद्भावना और सोच ही है। कांग्रेस में तो बहिष्कार की पारिवारिक परंपरा रही है। नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी तो देश के प्रधानमंत्री रहे, लेकिन अयोध्या के राम मंदिर में कभी भी झांक कर नहीं देखा। सोनिया गांधी और राहुल गांधी कांग्रेस अध्यक्ष तथा उप्र से सांसद रहे, लेकिन अयोध्या के राम मंदिर का विरोध करते रहे। कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान पार्टी ने श्रीराम को 'काल्पनिक' माना और 'राम-सेतु' के खिलाफ हलफनामा सर्वोच्च अदालत में दिया। कांग्रेसी 'चुनावी हिन्दू' हैं, अलबत्ता वे तो खुद को 'मुस्लिम पार्टी' मानते रहे हैं। उनसे राम मंदिर में आने की अपेक्षा क्यों और कैसे की जानी चाहिए? चाहे आमंत्रित ही हों।

कांग्रेस के भीतर विरोधाभास व द्वंद्व क्यों

राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र न्यास ने सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अधीर रंजन चौधरी आदि को आमंत्रण भेजा है। कांग्रेस ने धर्म को 'निजी मामला' मानते हुए आमंत्रण को अस्वीकार कर दिया। कांग्रेस की आरोपिया दलीलों भी हैं कि श्रीराम के 'अधूरे मंदिर' का उद्घाटन किया जा रहा है, जो अशुभ माना जाता है। दिग्विजय सिंह सरीखे कांग्रेसी तो धर्माचार्य भी हो गए हैं। कांग्रेस ने इसे आरएसएस-भाजपा का कार्यक्रम माना है और इसे 'राजनीतिक लाभ' के लिए किया जा रहा है। कांग्रेस ने शंकराचार्यों द्वारा भी आमंत्रण अस्वीकार करने की आड़ ली है, जो 'अर्द्धसत्य' है। शंकराचार्य विजयेन्द्र सरस्वती की टीम प्राण-प्रतिष्ठा की प्रक्रिया का एक हिस्सा है। इसके अलावा, दो शंकराचार्यों ने अपनी स्वीकृति भेजी है कि वे 22 जनवरी के पावन कार्यक्रम में शामिल होंगे। शेष दो शंकराचार्यों के अपने कोई कारण होंगे, लेकिन किसी भी शंकराचार्य ने प्रभु राम की प्राण-प्रतिष्ठा को खारिज नहीं किया है। कांग्रेस ऐसी 'ओछी राजनीति' न करे और शंकराचार्यों को किसी राजनीतिक विवाद में घसीटना नहीं चाहिए। वे आध्यात्म और दर्शन के शिखर-पुरुष हैं। वे वहीं काम करें। कांग्रेस के शीर्षस्थ नेताओं के लिए राम मंदिर समारोह 'अधूरे मंदिर की सियासत' है, लेकिन उप्र कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के साथ जो 50 कांग्रेसी नेता मकर संक्रान्ति के अगले ही दिन अयोध्या की सरयू नदी में डुबकी लगाने और फिर 'राम लला' की पुरानी प्रतिमा के दर्शन करने जा रहे हैं, उनके रामवाद और हिन्दुत्व की परिभाषा क्या है? कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भी बयान दिया है कि वह 22 जनवरी के बाद अयोध्या जाएंगे और प्रभु राम के दर्शन करेंगे। उसका फोटो भी सोशल मीडिया पर डालेंगे। हिमाचल के कांग्रेसी मंत्री विक्रमादित्य सिंह भी अयोध्या के समारोह में शामिल होंगे। पूर्व मुख्यमंत्रियों-कमलनाथ और अशोक गहलोत-ने भी सुविधा के मुताबिक अयोध्या जाने की बात कही है। सवाल है कि कांग्रेस में ऐसा विरोधाभास और द्वन्द्व क्यों है?

प्राण-प्रतिष्ठा संघ का कार्यक्रम नहीं

कांग्रेस ऐसे आध्यात्मिक और ऐतिहासिक समारोह का हिस्सा बने या राजनीतिक कारणों से बहिष्कार करे, यह उसकी सोच है। हालांकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि राम में आस्था रखने वाले लोग आज भी, कल भी, परसों भी अयोध्या जा सकते हैं। हम किसी धर्म, गुरु और भगवान के खिलाफ नहीं हैं। दरअसल कांग्रेस हिन्दूवाद का विरोध भी करना चाहती है और ऐसा व्यक्त भी नहीं होने देना चाहती। यह उसका वैचारिक द्वन्द्व है, लेकिन 22 जनवरी का प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम संघ परिवार का ही नहीं है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनना चाहिए, यह सर्वोच्च अदालत की पांच न्यायाधीशों की पीठ का निर्णय था। कांग्रेस ने भी उस फैसले को स्वीकार किया था। संविधान पीठ ने ही प्रधानमंत्री को निर्देश दिए थे कि वह मंदिर निर्माण के लिए एक ट्रस्ट का गठन करें। कैबिनेट में यह फैसला लिया गया और न्यास का गठन किया गया। यदि अयोध्या में भाजपा-विहिप के नेता और कार्यकर्ता सक्रिय दिख रहे हैं, तो उसमें क्या गलत है? संघ परिवार ने राम मंदिर के लिए बेहद लंबा संघर्ष किया है, आंदोलन में कारसेवकों ने कुर्बानियां दी हैं! यदि इतने व्यापक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और उनकी टीम शामिल नहीं होगी, तो आम बंदोबस्त से लेकर सुरक्षा-व्यवस्था तक की जिम्मेदारी किसकी होगी? कोई अनहोनी हो गई, तो जवाबदेही किसकी होगी? प्रशासन के लिए भाजपा को लोकतांत्रिक जनादेश मिला है। यदि कांग्रेस, सपा, तृणमूल, वामपंथी दलों, शरद पवार की एनसीपी, लालू के राजद और नीतीश कुमार आदि को समारोह का बहिष्कार करना है, तो कोई नई बात नहीं है, क्योंकि उनके निशाने पर पीएम मोदी हैं।

कांग्रेस का 'मुस्लिम तुष्टिकरण'

दरअसल बुनियादी कारण राजनीतिक है। यह तो स्पष्ट है कि अधिकतर उत्तरी भारत के राज्यों में कांग्रेस के पक्ष में 50 फीसदी तक मुस्लिम वोट आते रहे हैं। औसतन सबसे अधिक मुसलमान कांग्रेस को ही वोट देते हैं। यह कर्नाटक और तेलंगाना के चुनावों से भी स्पष्ट हो चुका है। आखिर 'मुस्लिम तुष्टिकरण' की निश्चित राजनीति को कांग्रेस कैसे गंवा सकती है? हिन्दुओं के वोट कांग्रेस के पक्ष में परंपरागत ही रह गए हैं। जहां भाजपा के साथ उसका सीधा चुनावी मुकाबला है, उन सीटों पर 70 फीसदी से अधिक हिन्दू भाजपा को ही वोट देते हैं। 2019 के आम चुनाव में अपर कास्ट हिन्दुओं के करीब 60 फीसदी, ओबीसी हिन्दुओं के करीब 55 फीसदी और आदिवासी-दलित हिन्दुओं के भी भरपूर वोट भाजपा के पक्ष में आए थे। चूंकि राम मंदिर का मुद्दा इतना बड़ा और सशक्त बन गया है कि बेशक हिन्दुओं के वोट भाजपा की झोली भर देंगे। कांग्रेस और विपक्ष के ज्यादातर बड़े नेता 'जालीदार टोपी' पहन कर इफ्तार पार्टियों में शिरकत करते रहे हैं, हालांकि वे मुसलमान नहीं हैं। यह भी सियासत का एक रंग है। तो फिर राम मंदिर का बहिष्कार क्या उन्हें 'धर्मनिरपेक्ष' बना देगा? यथार्थ यह है कि कांग्रेस सोच और सियासत के स्तर पर हिन्दू-विरोधी या राम-विरोधी नहीं है, कांग्रेसी भी मंदिरों में जाने और पूजा-पाठ करने का ढोंग रचते रहे हैं, लेकिन वे घोर मोदी-विरोधी हैं, लिहाजा उनके प्रत्येक सकारात्मक कदम का विरोध करना उनकी सियासी मजबूरी है। कांग्रेस के 'आदिपुरुष' महात्मा गांधी की दिनचर्या 'राम नाम' से ही शुरू होती थी। क्या वह 'संघी' या 'भाजपाई' थे?

सनातन ही हिंदुस्तान की सांस्कृतिक पहचान

अब देश के गांव-गांव, गली-मुहल्ले 'राममय' हो चुके हैं। प्रभु राम की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह 'राष्ट्रोत्सव' के तौर पर घोषित हुआ है और मनाया भी जा रहा है। करीब 500 साल के विदेशी आक्रांताओं के कब्जे, संघर्षों, बलिदानों, गुलामी के बाद एक सांस्कृतिक स्वप्न, संकल्प साकार हो रहा है। राम सबके हैं और सभी राममय हैं। प्रभु राम अपनी नई अयोध्या में लौट रहे हैं और महलनुमा भव्य मंदिर में विराजमान होंगे। श्रीराम कण-कण में व्याप्त हैं और सनातन के प्रतीक हैं। सनातन ही हिन्दुस्तान की पहचान है। आसुरी तत्व त्रेता में भी थे और आज भी हैं। राम ही उनका उद्धार करेंगे। प्रभु राम प्रथम धर्मनिरपेक्ष और स्वीकारवादी भगवान हैं। राम ही सनातन संस्कृति के पूज्य 'आध्यात्मिक आदिपुरुष' हैं। ऐसा पहली बार हुआ है कि देश के प्रधानमंत्री ने 11 दिन का 'विशेष अनुष्ठान' आरंभ किया है। तपस्वियों और मनीषियों ने उन्हें कठोर यम-नियम सुझाए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि वह भावुक और भाव-विह्वल हैं। उनके लिए यह कल्पनातीत अनुभूतियों का समय है, जिन्हें वह 140 करोड़ भारतीयों के साथ साझा अनुभूत करना चाहते हैं। इस अवसर पर करोड़ों भारतीयों की दुआएं और ऊर्जा भी समन्वित होकर एक 'आत्मिक पुंज' का आकार लेंगी। उद्घाटन करने वाले नेता या सिर्फ वोट बटोरने की राजनीति करने वाले नेता इतने लंबे, कष्टकारक, निर्जल, व्रत वाले अनुष्ठान नहीं किया करते। क्या सोनिया-राहुल गांधी ने इसके अंश अनुष्ठान भी कभी किए हैं? कमोबेश राम मंदिर का मुद्दा ऐसा है, जिसका न तो विरोध और न ही बहिष्कार किया जाना चाहिए। आज मुसलमान भी खुद को 'राम के वंशज' मान रहे हैं। राम-भक्तों के लिए भंडारा आयोजित कर रहे हैं। आयोजनों पर फूल बरसा रहे हैं। राम तो ब्रह्मांड के प्रतीक हैं, लिहाजा अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी आदि गैर-हिन्दूवादी देश भी 'राममय' हो रहे हैं। अब सनातन के चिह्नों का पुनरोत्थान आरंभ हुआ है, तो यह अयोध्या के पार भी जाएगा। दरअसल ऐसे ही हिन्दूवादी प्रयास 'असली धर्मनिरपेक्षता' हैं। संविधान भी उन्हें स्वीकार करता है। कांग्रेस का जो भी तर्क हो।

विश्व में जिनका मुकाबला नहीं उनका नाम है जगतगुरु रामभद्राचार्य

शख्सियत

प्रभात झा
पूर्व सांसद एवं पूर्व भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

विश्व में लगभग एक अरब दिव्यांग हैं। इसी के अंतर्गत भारत में भी लगभग तीन करोड़ से अधिक दिव्यांगों की संख्या है। इन्हें पहले विकलांग कहा जाता था। नरेंद्र मोदी जब प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने 2 दिसम्बर 2015 को अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में शारीरिक रूप से अक्षम लोगों को 'दिव्यांग' नाम से संबोधित करने का निर्णय बताया। विश्व पटल पर जब दिव्यांगों के बारे में विचार करते हैं तो देखने में आता है कि ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका, जर्मनी, अमेरिका, ब्रिटेन सहित अनेक देशों में दिव्यांगों ने कहीं गणित तो कहीं भौतिकी, कहीं मीडिया, कहीं संगीत के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धि हासिल की है। यहां तक कि एक दिव्यांग को कार्यक्षेत्र में 'नोबेल पुरस्कार' भी मिला। लेकिन जब भारत में दिव्यांगों की चर्चा शुरू होती है तो एक ऐसे व्यक्तित्व का नाम उभरकर आता है जो न केवल 140 करोड़ भारतीयों के लिए बल्कि विश्व के करोड़ों लोगों के लिए भी एक आदर्श प्रस्तुत करते हैं। उनके जीवन से न केवल दिव्यांग, बल्कि करोड़ों सर्वांग व्यक्तियों को प्रेरणा मिलती है। भारत के उस व्यक्तित्व का नाम है जगतगुरु स्वामी रामभद्राचार्य। उनको कोई दृष्टि बाधित या दिव्यांग कहता है, तो कहते हैं कि मुझे यह अच्छा नहीं लगता। मैने अपनी इन्हीं आंखों से साक्षात भगवान मर्यादा पुरूषोत्तम के बाल्यकाल रूप को देखा है। 14 जनवरी 1950 को उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के शांडिल्य खैर गांव में जन्मे, जिनका पूर्व में नाम डॉ. गिरिधर लाल मिश्र था, वे जन्म के दो माह बाद ही अपने दोंनों आंखों की ज्योति खो चुके थे, लेकिन उन्होंने साहस नहीं खोया। 14 जनवरी से वे अयोध्या में नौ दिनों तक अमृत महोत्सव मनाएंगे।

पूज्य रामभद्राचार्य जी के जीवन के अतीत का जब अध्ययन करते हैं तो लगता है कि ईश्वर ने उन्हें साक्षात अपनी शक्ति प्रदान की है। उन्होंने जीवन में कभी भी ब्रेल लिपि का उपयोग नहीं किया। जब वे पांच वर्ष के हुए तो श्रीमदभगवत गीता और सात वर्ष की आयु में श्रीरामचरितमानस पूरी तरह से कंठस्थ कर लिया था। आरंभ से आचार्य (परास्नातक) तक सभी कक्षाओं में प्रथम श्रेणी एवं प्रथम स्थान प्राप्त किया। संपूर्णानंद संस्कृत विश्विद्यालय वाराणासी से शास्त्री तथा आचार्य में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। तदुपरांत पीएचडी शोध के बाद धर्म सम्राट स्वामी करपात्री जी के निर्देश पर रामानंद संप्रदाय में विरक्त दीक्षित होकर जगतगुरु रामभद्राचार्य के पद पर सर्वसम्मति से मूर्धभिषेक हुए। ऐसे विलक्षण साहित्यकार जिनकी पुस्तकों का लोकार्पण देश के दो सबसे लोकप्रिय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी तथा नरेंद्र मोदी ने किया। 240 ग्रंथों का प्रणयन जिसमें चार महाकाव्य सहित साहित्य के सभी विधाओं में रचनाएं रची गई। साहित्य के क्षेत्र में सबसे प्रतिष्ठित सम्मान साहित्य अकादमी से 2005 में सम्मानित किए गए।

19 नवम्बर 1992 को चित्रकूट मध्य प्रदेश में श्रीतुलसीपीठ की स्थापना रामभद्राचार्य जी द्वारा की गई। श्री तुलसी प्रज्ञाचक्षु दिव्यांग उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की स्थापना की गई। उसके बाद विश्व स्तर पर दिव्यांगों के लिए जगतगुरु रामभद्राचार्य ने विश्वविद्यालय की स्थापना की। यह विश्व का पहला दिव्यांग विश्वविद्यालय है, जहां से अब तक पांच हजार से अधिक विद्यार्थी अध्ययन कर देश के खासकर उत्तर प्रदेश के अनेक उच्च स्थानों पर पदस्थ हैं। विकलांग विश्वविद्यालय की स्थापना 2001 में की गई। इसके पश्चात श्री गीता ज्ञान मन्दिर राजकोट गुजरात की स्थापना भी उनके द्वारा की गई। वशिष्ठ अयनम हरिद्वार उत्तराखण्ड की स्थापना भी उनके द्वारा की गई। साहित्य तथा सामाजिक योगदान के लिए भारत सरकार द्वारा 2015 में उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। जगतगुरु रामभद्राचार्य विकलांग विश्वविद्यालय के वे जीवनपर्यंत कुलाधिपति बने रहेंगे। भारत सरकार के स्वच्छता अभियान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उन्हें नौ रत्नों में शामिल किया गया।

भौतिक नेत्र न होते हुए भी, ब्रेल लिपि के बिना उपयोग के अब तक वे 1275 से अधिक श्रीरामचरितमानस पर कथा प्रवचन कर चुके हैं और श्रीमद्भागवत पर 1115 से अधिक कथा वाचन अभी तक कर चुके हैं। धारा प्रवाह संस्कृत संभाषण में विश्व में उनका कोई जोड़ नहीं है। वे एक घंटे में 100 श्लोक बनाने की क्षमता रखते हैं। दर्शनए काव्य एवं लेखन अप्रतिहर्त गति उन्हें प्रदान है। तत्काल समस्या पूर्ति पर संस्कृत, हिंदी आदि भाषाओं में वे श्लोक एवं अन्य विधा रच लेते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ न्यूयॉर्क में आयोजित विश्व शांति शिखर सम्मेलन में सोलह मिनट का उनका ऐतिहासिक भाषण संपन्न हुआ था। वे 22 भाषाओं के ज्ञाता हैं। विश्व में अनेक राष्ट्रों में उनकी कथाएँ संपन्न हुई हैं। भारतीय वांगमय के लगभग डेढ़ लाख पृष्ठ वे लिख चुके हैं। उनके मस्तिष्क में डेढ़ लाख से अधिक श्लोक रचा-बसा हुआ है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शैक्षिक विषय में शोध करने की उन्हें अनुमति प्रदान की गई है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में जब रामजन्मभूमि मामले पर बहस चल रही थी, तो मुस्लिम पक्ष ने ये सवाल खड़ा किया कि अगर बाबर ने राममंदिर तोड़ा तो तुलसीदास ने जिक्र क्यों नहीं किया। हिंदू पक्ष के लिए संकट खड़ा हो गया, लेकिन तब संकट मोचन बने श्रीरामभद्राचार्य जी। उन्होंने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में 15 जुलाई 2003 को गवाही दी और तुलसीदास के दोहाशतक में लिखे उस दोहे को जज साहब को सुनाया, जिसमें बाबर के सेनापति मीर बाकी द्वारा राम मंदिर को तोड़ने की बात कही गई है। दोहा इस प्रकार हैः

रामजन्म मंदिर महिं मंदिरहि तोरि मसीत बनाय।
जबहि बहु हिंदुन हते, तुलसी कीन्ही हाय।।
दल्यो मीर बाकी अवध, मंदिर राम समाज।
तुलसी रोवत हृदय अति, त्राहि त्राहि रघुराज।।

14 जनवरी से अयोध्या में स्वामी जी का अमृत महोत्सव प्रारंभ

इलाहाबाद हाईकोर्ट में जब रामजन्मभूमि मामले पर बहस चल रही थी, तो मुस्लिम पक्ष ने ये सवाल खड़ा किया कि अगर बाबर ने राममंदिर तोड़ा तो तुलसीदास ने जिक्र क्यों नहीं किया। हिंदू पक्ष के लिए संकट खड़ा हो गया, लेकिन तब संकट मोचन बने श्रीरामभद्राचार्य जी। उन्होंने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में 15 जुलाई 2003 को गवाही दी और तुलसीदास के दोहाशतक में लिखे उस दोहे को जज साहब को सुनाया, जिसमें बाबर के सेनापति मीर बाकी द्वारा राम मंदिर को तोड़ने की बात कही गई है। जगतगुरु स्वामी रामभद्राचार्य ने दृष्टि बाधित होने के बावजूद 75 वर्ष के अपने अमृतकाल में जो कुछ किया है, वह विश्व में भारत की संस्कृति एवं सांस्कृतिक जागरण के लिए अद्वितीय, अतुलनीय और अस्मरणीय है।

जगतगुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी बताते हैं कि अयोध्या में राम मंदिर होने के 437 प्रमाण न्यायालय को दिए गए हैं। वे प्राचीन ग्रंथों का उल्लेख करते हुए बताते हैं कि वाल्मीकि रामायण के बाल खंड के आठवें श्लोक से श्रीराम जन्म के बारे में जानकारी शुरू होती है। यह सटीक प्रमाण है। इसके बाद स्कंद पुराण में राम जन्म स्थान के बारे में बताया गया है। इसके मुताबिक राम जन्म स्थान से 300 धनुष की दूरी पर सरयू माता बह रही हैं। एक धनुष चार हाथ का होता है। आज भी यदि नापा जाए तो जन्म स्थान से सरयू नदी उतनी ही दूरी पर बहती दिखेगी। इसके पूर्व अथर्व वेद के दशम कांड के 31वें अनु वाक्य के द्वितीय मंत्र में स्पष्ट कहा गया है कि 8 चक्रों व नौ प्रमुख द्वार वाली श्री अयोध्या देवताओं की पुरी है। उसी अयोध्या में मंदिर महल है। उसमें परमात्मा स्वर्ग लोक से आए। रामभद्राचार्य जी बताते हैं कि वेद में भी श्रीरामजन्म का स्पष्ट प्रमाण है। ऋग्वेद के दशम मंडल में इसका प्रमाण है। रामचरितमानस में बहुत ही स्पष्ट लिखा है। तुलसी शतक में कहा गया है कि बाबर के सेनापति व दुष्ट यवनों ने राम जन्मभूमि के मंदिर को तोड़कर मस्जिद का ढांचा बनाया और बहुत से हिंदुओं को मार डाला। तुलसीदास जी ने तुलसी शतक में इस पर दुख भी प्रकट किया था। मंदिर तोड़े जाने के बाद भी हिंदू साधु रामलला की सेवा करते थे।

स्वामी रामभद्राचार्य जी ने प्रमाणों से इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीशों को चकित कर दिया कि श्री रामलला अयोध्या उसी विवादित स्थल पर विराजते हैं। उनके दिए गए तर्कों के तारतम्य में ही उच्चतम न्यायालय में भी बहस हुई तो अधिवक्ताओं ने उनके द्वारा प्रस्तुत तथ्यों को न्यायाधीशों के सामने प्रस्तुत किया। यह कहने में कोई संकोच नहीं कि श्रीरामजन्मभूमि पर ही अयोध्या में श्री रामलला विराजते हैं, के पक्ष में निर्णय लेने में रामभद्राचार्य जी की बहुत बड़ी भूमिका रही है। यह जगजाहिर है कि वे संकल्प के प्रति इतने दृढ़ रहते हैं कि उन्होंने वृंदावन में अनेक बार कथा की लेकिन भगवान बांके बिहारी के दर्शन करने नहीं गए। उन्होंने प्रण लिया है कि 'जब तक श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद समाप्त नहीं होगा तब तक मैं वहां दर्शन करने नहीं जाऊंगा'।

बिहार के सीतामढ़ी जिले में शहर से तीन किलोमीटर दूरी पर स्थित पुनौराधाम मां जानकी (सीताजी प्राकट्यस्थल है, यह शास्त्रों के आधार पर सिद्ध किया जा चुका है। उन्होंने मुझे बुलाकर कहा कि 'मैं यहां पर तब तक जानकी नवमी में कथा करता रहूंगा जब तक यहां स्थित मन्दिर का जीर्णोद्धार नहीं होगा और यह धार्मिक पर्यटन स्थल नही बन जाएगा1' उनके कहने पर मैंने राज्यसभा में यह विषय उठाया। विश्व के सामने यह बात पहली बार आई कि जगत जननी मां मिथलेश्वरी का प्राकट्यस्थल पुनौराधाम है। स्वतंत्रता के बाद पहली बार यह हुआ कि गुरुजी और मेरे आग्रह पर बिहार के तत्कालीन राज्यपाल डॉ. रामनाथ कोविंद, जो बाद में देश के राष्ट्रपति बने, तथा जानकी नवमी पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पुनौराधाम पधारे थे। गुरुजी एवं सीतामढ़ीवासियों सहित मिथिला सहित विश्व के एक-एक व्यक्ति के मन में यह गर्व है कि 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान श्रीरामलला की प्राणप्रतिष्ठा होने जा रही है। लेकिन करोड़ों मिथिलावासियों और देशवासियों के मन में यह विचार अभी तक बना हुआ है कि मां सीता प्राकट्यस्थल का जीर्णोद्धार वृहद रूप से कब प्रारम्भ होगा और अयोध्या धाम की तरह कब पुनौराधाम कब बनेगा? गुरु जी अक्सर कहते हैं कि ' बिना राम के सीता नहीं और बिना सीता के राम नहीं'। पीएम मोदी भी कभी जय श्रीराम नहीं कहते बल्कि वे कहते हैं जय सियाराम।

सीया राममय सब जग जानी।
करउँ प्रनाम जोरि जुग पानी।।
जानि कृपाकर किंकर मोहू।
सब मिलि करहु छाड़ि छल छोहू।।

जगतगुरु स्वामी रामभद्राचार्य विश्व में न केवल दिव्यांगों की, बल्कि करोड़ों लोगों के आराध्य हैं। इसलिए आराध्य हैं कि दृष्टि बाधित होने के बावजूद जो उन्होंने 75 वर्ष के अपने अमृतकाल में जो कुछ किया है, वह विश्व में भारत की संस्कृति एवं सांस्कृतिक जागरण के लिए अद्वितीय, अतुलनीय और अस्मरणीय है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 अक्टूबर 2023 को जब चित्रकूट पहुंचे, तो उन्होंने कहा कि 'रामभद्राचार्य जी हमारे भारत राष्ट्र के धरोहर हैं'।

आंदोलन को सिरे चढ़ाने वालों को भी हमें याद रखना होगा

राम मंदिर

मनोज कुमार अग्रवाल
वरिष्ठ पत्रकार

अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनने की यात्रा बिल्कुल आसान नहीं थी। विवाद हुए। हिंसा हुई। कारसेवकों की जानें गईं। पांच सदी लंबे संघर्ष में हजारों नाम अनाम रामभक्तों ने सिर्फ जन्मभूमि स्थान के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। आखिरकार आस्था की जीत हुई और अदालत ने राम मंदिर के पक्ष में फैसला सुनाया।

राम मंदिर आंदोलन को 1990 के दशक में भाजपा ने अपना समर्थन दिया और भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं कार्यकताओं ने रामजन्म मुक्ति आंदोलन को सफल बनाने के लिए सक्रिय योगदान किया। इस समूचे आंदोलन में कुछ ऐसे चेहरे हैं जिनके योगदान को भुला पाना सम्भव नहीं। मंदिर निर्माण आंदोलन चलाने के लिए जनसमर्थन जुटाने में अशोक सिंघल की अहम भूमिका रही। कई लोगों की नजरों में वह राम मंदिर आंदोलन के 'चीफ़ आर्किटेक्ट' थे। लाल कृष्ण आडवाणी ने सोमनाथ से अयोध्या तक रथयात्रा शुरू की थी। हालांकि बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने समस्तीपुर ज़िले में उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। चार्जशीट के अनुसार, आडवाणी ने छह दिसंबर 1992 को कहा था, ''आज कारसेवा का आख़िरी दिन है।'' आडवाणी के ख़िलाफ़ विवादित ढांचा गिराने की साज़िश का लम्बे समय तक आपराधिक मुक़दमा चला।

1992 में विवादित ढांचा विध्वंस के समय मुरली मनोहर जोशी आडवाणी के बाद बीजेपी के दूसरे बड़े नेता थे। छह दिसंबर 1992 को घटना के समय वह विवादित परिसर में मौजूद थे। गुंबद गिरने पर उमा भारती उनसे गले मिली थीं। इस समय वे बीजेपी के मार्गदर्शक मंडल में हैं। छह दिसंबर 1992 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कल्याण सिंह थे। उन पर आरोप था कि उनकी पुलिस और प्रशासन ने जान-बूझकर कारसेवकों को नहीं रोका। कल्याण सिंह का नाम उन 13 लोगों में शामिल था जिन पर विवादित ढांचा को गिराने की साज़िश करने का आरोप लगा था।

राम मंदिर आंदोलन के लिए 1984 में 'बजरंग दल' का गठन किया गया था और पहले अध्यक्ष के तौर पर उसकी कमान संघ ने विनय कटियार को दी थी। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जन्मभूमि आंदोलन को आक्रामक बनाया। छह दिसंबर के बाद कटियार का राजनीतिक क़द तेजी से बढ़ा। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव भी बने। वे फ़ैज़ाबाद (अयोध्या) लोकसभा सीट से तीन बार सांसद चुने गए।

विवादित ढांचा विध्वंस केस में साध्वी ऋतंभरा के ख़िलाफ़ आपराधिक साज़िश के आरोप तय किए गए थे। अयोध्या आंदोलन के दौरान उनके उग्र भाषणों के ऑडियो कैसेट पूरे देश में सुनाई दे रहे थे।

विश्व हिंदू परिषद के दूसरे नेता प्रवीण तोगड़िया राम मंदिर आंदोलन के वक्त काफी सक्रिय रहे थे। अशोक सिंहल के बाद विश्व हिंदू परिषद की कमान उन्हें ही सौंपी गई थी। हालांकि वीएचपी से अलग होकर उन्होंने अंतराष्ट्रीय हिंदू परिषद नाम का संगठन बनाया। प्रवीण तोगड़िया इन दिनों अलग-थलग पड़ गए हैं।

विष्णु हरि डालमिया विश्व हिन्दू परिषद के वरिष्ठ सदस्य थे और वह संगठन में कई पदों पर रहे। वह विवादित ढांचा ढहाए जाने के मामले में सह अभियुक्त भी थे। 16 जनवरी 2019 को दिल्ली में उनके आवास पर डालमिया का निधन हो गया।

कोलकाता के एक मारवाड़ी व्यापारी परिवार में जन्मे दो युवा भाई शरद कोठारी (23 साल) और राम कोठारी(20 साल) 30 अक्तूबर 1990 को कलकत्ता से अयोध्या कारसेवा में शामिल होने के लिए पहुंचे। 30 अक्तूबर को विवादित गुम्बद पर चढ़ कर भगवा ध्वज लहराने वालों में दोनों भाई प्रमुख थे। 2 नवंबर को पुनः कारसेवा के लिए आए युवाओं की अगुवाई कर रहे दोनों भाई पुलिस की गोलियों का शिकार बन कर राम मंदिर आंदोलन के लिए अपनी जान की आहुति दी। इन दोनों भाइयों का बलिदान भुला पाना संभव नहीं है। इन के माता पिता बहिनों ने जीवन के कई दशक उनके अभाव में बिताए हैं।

यूं तो यह सूची बहुत लंबी है, लेकिन श्रेय चाहे किसी को दिया जाए, एक बात बिल्कुल साफ़ है कि इसने राजनीतिक रूप से हाशिए पर रही बीजेपी को वो राजनीतिक समर्थन दिलाया, जिस पर सवार होकर बीजेपी केंद्र में पहले गठबंधन और फिर अपने बूते सरकार बनाने में सफल रही। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जन्मभूमि मंदिर के निर्माण व प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की अगुवाई कर रहे हैं। कई विरोधी दलों के नेताओं को यह अखर रहा है।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रायपुर, रविवार 14 जनवरी 2024

मकर संक्रांति विशेष

मकर संक्रांति पर्व की धार्मिक ही नहीं अत्यधिक सांस्कृतिक महत्ता भी है। यह पर्व ऋतुचक्र में होने वाले परिवर्तन और सूर्य की गति में बदलाव को भी प्रकट करता है। यह पर्व देश के अलग-अलग भागों में विभिन्न रूपों और नामों से मनाया जाता है। लेकिन इसे मनाने की मूल भावना में निहित सामाजिक समरसता, इसकी खूबसूरती को और बढ़ा देता है।

धार्मिक आस्था-सांस्कृतिक उल्लास का
पवित्र पर्व मकर संक्रांति

आवरण कथा / आर.सी.शर्मा

पूर्व से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण तक नाम भले अलग-अलग हों, लेकिन मकर संक्रांति का धार्मिक-सांस्कृतिक पर्व, पूरे भारत में मनाया जाता है। देश के अलग-अलग हिस्सों में इसे अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। जैसे- उत्तर भारत के ज्यादातर हिस्सों में इसे मकर संक्रांति कहते हैं, तो पंजाब में लोहड़ी, गुजरात में उत्तरायण, उत्तराखंड में उत्तरायणी, केरल में पोंगल, असम में माघ बीहू और भोगाली बीहू, बिहार-उत्तर प्रदेश में खिचड़ी, बंगाल में दान पूर्व और तमिलनाडु में पोंगल के नाम से इसे मनाते हैं। चाहे पर्व के नाम अलग-अलग हों और इनके मनाने के तौर तरीके भी थोड़े अलग-अलग हों। लेकिन अपनी मूल प्रकृति और मूल आस्था में ये सारे पर्व एक ही होते हैं। नई फसल तैयार होने की खुशी में नाचना-गाना, सूर्य के उत्तरायण होने से उसके बढ़ते जीवनदायी ताप के प्रति आभार-सम्मान प्रकट करना और पवित्र नदियों में स्नान करने जैसी तमाम तरह की गतिविधियां, इन सभी पर्वों के मूल विधान में शामिल हैं।

केरल में पोंगल पर्व मनाते स्थानीय निवासी

पर्व मनाने की शुभ तिथि

मकर संक्रांति आमतौर पर अंग्रेजी कैलेंडर के जनवरी माह में 14 या 15 जनवरी को मनाई जाती है। मकर संक्रांति की तिथि से सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है, इसलिए यह मकर संक्रांति कहलाती है। इस दिन से सूर्य उत्तरायण हो जाते हैं, जिसे शास्त्रों के मुताबिक देवताओं का दिन माना जाता है, जबकि दक्षिणायन को देवताओं की निशा यानी रात्रि माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक इस दिन किया गया दान, साल के बाकी किसी भी दिन में किए गए दान के मुकाबले कहीं ज्यादा पुण्य लाभ देने वाला होता है। इस साल मकर संक्रांति की तिथि आज रात के बाद यानी 15 जनवरी को ब्रह्म मुहूर्त से पहले 2 बजकर 54 मिनट से आरंभ होगी, जब सूर्यदेव धनु राशि से निकल कर मकर राशि में प्रवेश करेंगे।

महत्वपूर्ण-पुण्यकारी धार्मिक कार्य

मकर संक्रांति के दिन सुबह उठकर सूर्य के निकलने से पहले या निकलते समय पवित्र नदियों में स्नान करना सबसे अच्छा माना जाता है। इसके बाद नए साफ वस्त्र पहनकर तांबे के लोटे में पानी भरकर उसमें काला तिल, गुड़ का छोटा टुकड़ा और अगर गंगा में नहीं नहा रहे तो थोड़ा गंगाजल मिलाकर सूर्यदेव को प्रणाम करते हुए उन्हें अर्घ्य दिया जाता है। इसके बाद गरीबों को दान दिया जाता है, इस दान में तिल और खिचड़ी का होना बहुत शुभ माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक मकर संक्रांति की सुबह घर में स्नान करें तो पानी में तिल और गंगाजल अवश्य मिला लें। किसी पवित्र नदी में स्नान कर रहे हों तो जिस जगह स्नान करें, वहां थोड़े तिल और गंगाजल छिड़क देना चाहिए। इस दिन सूर्यदेव शनि की राशि मकर में प्रवेश करते हैं, इसलिए मकर संक्रांति को शनि देव की पूजा भी करनी चाहिए।

कहीं नृत्य तो कहीं पतंगबाजी

मकर संक्रांति देश के अलग-अलग हिस्सों में खूब मस्ती और उमंग के साथ मनाई जाती है। कहीं पर लोग ढोल की थाप पर नाचते-गाते हैं। जैसे पंजाब में भागड़ा और गिद्धा लोकनृत्य किया जाता है। इसी तरह असम में लोग बिहू लोकनृत्य में सामूहिक रूप से शामिल होते हैं। गुजरात और उत्तर भारत में इस अवसर पर बड़े पैमाने पर पतंग उत्सव का भी आयोजन किया जाता है।

असम में माघ बीहू के अवसर पर सामूहिक नृत्य करतीं महिलाएं

पर्व का जीवन में महत्व

मकर संक्रांति पर्व का महत्व सिर्फ धार्मिक या पारंपरिक संस्कारों तक ही सीमित नहीं है। इसका सीधा-सीधा रिश्ता बदलते हुए ऋतु चक्रों से भी होता है। जिस कारण बहते हुए पानी में स्नान किए जाने की परंपरा इससे जोड़ी गई है। इसका वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य यह है कि इन तिथियों को बहते हुए पानी में ऊर्जा की अधिकता होती है और उस पानी में स्नान करने से इंसान बहुत तरह की शारीरिक व्याधियों से छुटकारा पा जाता है। साथ ही बदलते हुए मौसम के इस संधिकाल में सूर्य के ताप, पृथ्वी और जल की ऊर्जा का शरीर में इस तरह से प्रभाव पड़ता है कि हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है। इसलिए संक्रांति को सिर्फ धर्म की नहीं प्रकृति की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। *

वर्ष में होती हैं तीन संक्रांतियां

हिंदू पंचांग के अनुसार पूरे वर्ष में एक नहीं तीन संक्रांतियां मनाई जाती हैं- मकर संक्रांति, विषुवत संक्रांति और कार्तिक संक्रांति। सभी में एक जैसी श्रद्धा और एक जैसी धार्मिक भावनाएं होती हैं। विषुवत संक्रांति अप्रैल माह में पड़ती है, इस तिथि पर सूर्य मेष राशि में प्रवेश करते हैं। साथ ही इसी दिन विशाखा नक्षत्र में भी प्रवेश करते हैं, इसलिए इसे वैशाखी भी कहा जाता है। इसी तरह कार्तिक संक्रांति हिंदुओं में बहुत पवित्र मानी जाती है। कार्तिक संक्रांति में सूर्य तुला राशि में प्रवेश करते हैं। आमतौर पर यह अक्टूबर के मध्य में आती है। सभी संक्रांतियों में सूर्योदय से पहले उठकर या उग रहे सूर्य के समय स्नान का विधान होता है। साथ ही इस दिन पवित्र नदियों में भी स्नान करने का महत्व बताया गया है। *

जीवन में सुकून और खुशी तो सभी चाहते हैं लेकिन इन्हें पाने के लिए किस रास्ते पर चलने की जरूरत होती है, इस बारे में कम ही लोगों को पता होता है। वास्तव में सुकून-खुशी हासिल करना कठिन नहीं है, अगर आप सही दिशा में इसे तलाश करें।

सुकून-खुशी पाना
कठिन नहीं है, अगर...

जीवनशैली

शिखर चंद जैन

अगर आपको दिल्ली से कोलकाता जाना हो लेकिन आप ट्रेन या फ्लाइट चेन्नई की पकड़ लें तो कोलकाता पहुंचेंगे या चेन्नई? यह सवाल आपको अटपटा लग सकता है लेकिन व्यावहारिक जीवन में देखें तो खुशी और सुकून की तलाश में हम कुछ इसी तरह गलत राह पर चलते हुए अपनी मंजिल से भटक जाते हैं और हमें इसका एहसास ही नहीं होता है।

लिविंग स्टैंडर्ड का गलत पैमाना: बेहतरी, सफलता, समृद्धि और सुकून के वास्तविक स्वरूप को समझने में लोग अकसर चूक जाते हैं। इसमें पूरी तरह गलती आपकी नहीं है। वास्तव में हमारा माहौल, संगत और समाज कई मामलों में हमारा नजरिया तय करते हैं। यही वजह है कि आज स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग हाई होने यानी सफलता और खुशहाली का प्रतीक भौतिक साधनों के बहुलता को माना जा रहा है। आपके जीवन का स्तर कितना ऊंचा है, यह इस बात से तय होता है कि आप का मकान शहर के किस पॉश इलाके में है, कितना बड़ा मकान या फ्लैट है, आपकी कार कितनी महंगी है, आपके यहां कितने नौकर-चाकर काम करते हैं, आपका बैंक बैलेंस कितना बड़ा है, आपका मोबाइल किस ब्रांड का है, आप शहर के किस रेस्तरां में डिनर या लंच के लिए जाते हैं, किस ब्रांड के कपड़े, घड़ी या जूते पहनते हैं? आप छुट्टियां बिताने के लिए विदेश जाते हैं या नहीं? इतना ही नहीं रेव पार्टीज में या महंगे क्लब्स में जाना भी स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग का प्रतीक बन गया है।

अपना नुकसान खुद करते हम: आज के दौर का यह सच बन गया है कि हममें से अधिकांश लोगों के जीवन का ज्यादातर समय इन्हीं को पा लेने की कोशिश में खप जाता है, इन्हीं में सुकून और खुशहाली की तलाश करते हुए अनजाने में ही हम परेशान, बदहाल और तनावग्रस्त रहने लगते हैं। पिछली सदी में बुजुर्ग और अब तो वैज्ञानिक भी कहते हैं कि चिंता, चिता के समान होती है। हम अपनी ही नासमझी से गलत जीवनशैली के कारण उच्च रक्तचाप, मधुमेह, स्ट्रोक, हृदय रोगों और कैंसर जैसे घातक रोगों के शिकार बेहद आसानी से हो जाते हैं। नतीजतन ना मनचाहा खा सकते हैं ना ढंग से सो पाते हैं। कहा गया है कि पहला सुख निरोगी काया। लेकिन जब माया के चक्कर में काया ही रोगी हो गई तो सुख और सुकून भला कैसे मिलेंगे?

गलत मार्ग पर मंजिल की तलाश: हममें से अधिकतर लोग समझ ही नहीं पाते कि आखिर इतने प्रयासों के बावजूद हम सुखी क्यों नहीं हो पा रहे हैं? सीधी सी बात है, जाना था जापान पहुंच गए चीन वाली कहावत हमारे साथ लागू हो गई है। हमारे प्रयास ही गलत दिशा में और गलत चीजों के लिए होते हैं। हमारा लक्ष्य कुछ और होता है और राह हम दूसरी पकड़ लेते हैं। हम अपने जीवन का स्तर ऊंचा करने की बजाय, इसे छोड़कर दूसरी भौतिक, दिखावटी और गैर जरूरी चीजों का स्तर ऊंचा करने में जुट जाते हैं। स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग को ऊंचा करना एक अंतहीन प्रयास है, जिसका कोई उच्चतम मापदंड आज तक कोई निश्चित नहीं कर पाया है। आप चाहे जितना महंगा सामान खरीदेंगे, आपसे भी महंगा किसी और के पास मिल जाएगा। उसे देखते ही आपका अहं, चूर-चूर हो जाएगा और खुशी काफूर हो जाएगी।

आंतरिक सुकून की राह: आपको जीवन का स्तर ऊंचा रखना है, सुकून, सुख और खुशहाली से रहना है तो जरूरतों और चाहतों में अंतर समझना होगा। जीवन का स्तर आंतरिक सुख से ऊंचा होगा, जो संतोष से प्राप्त होता है। कहा भी गया है, संतोषम् परम सुखम्। अध्यात्म, प्राणायाम, योग, ध्यान आदि को अपनाना होगा। परमार्थ की भावना, दयालुता, परोपकार, समाज की सेवा और मनुष्य मात्र के प्रति संवेदनशीलता हमें जीवन के उच्चतम स्तर तक पहुंचा सकती है। झूठ, छल, कपट, धोखाधड़ी, झूठ, ईर्ष्या, लालच, क्रोध जैसे दुखी करने वाले जंजालों से मुक्ति पानी होगी। जैसे किसी तालाब के पानी से काई, तृण, गंदगी और विषाणु निकालकर उसे हल्का, सुपाच्य और स्वस्थ पेय जल बनाया जा सकता है, वैसे ही जीवन से इन अवांछित तत्वों और नकारात्मक भावनाओं को निकाल दें तो जीवन स्वच्छ जल की मानिंद हल्का और सुकून देने वाला बन सकता है। इस प्रकार का जीवन जीने वाला स्वतः ही अपने समाज में चहेता, प्रशंसनीय, स्नेह का पात्र और आदरणीय बन जाता है। लोग उसका सम्मान करते हैं। लोगों से जब ऐसा आदरपूर्ण और स्नेहिल व्यवहार मिलेगा तो आपको अतुलनीय आंतरिक आनंद और सुकून मिल जाएगा। *

नवगीत / शिवचरण चौहान

धूप आई, जान आई

धूप आई
जान आई!
शीत से मारे हुए
फूलों के मुख
मुस्कान आई।
आएगा ऋतुराज पक्का
जानते हैं हम सभी
पर शिशिर, हेमंत तो
सबको रुलाएगा अभी,
सभी के चेहरों में मीठी
धूप है मुस्कान लाई।।
धुंध, कोहरे से महीना
गले तक डूबा हुआ था।
और भारत इस अयाचित
बर्फ से ऊबा हुआ था।
आज चिड़ियों के
स्वरों में एक मधुरिम
तान आई।
धूप निकली है छिटक कर
जान में है जान आई।।

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कविता में उम्मीद

हाल में युवा कवि अनुराग वत्स का पहला कविता संग्रह 'उम्मीद प्रेम का अन्न है' छपकर आया है। इसमें उनकी कई छोटी कविताओं के साथ ही आत्मकथ्य भी संकलित हैं। इस पुस्तक की कई कविताएं, प्रेमानुभूति से जुड़ी बहुत बारीक संवेदनाओं को व्यक्त करती हैं। *'बात न हो, बात की याद हो/तो वह याद ही भेज दो।'* जैसी पंक्तियां मन के भीतर ठहर सी जाती हैं। प्रेम की अनुभूति से इतर भी कुछ कविताएं, अनुराग की सूक्ष्म संवेदनात्मक दृष्टि को प्रमाणित करती हैं। इस लिहाज से 'पिता:1' कविता को देख सकते हैं, जिसमें पिता शब्द को लिखे बिना ही अनुराग, मार्मिकता से उनकी अनुपस्थिति को महसूस करते हैं। इसी तरह 'हाथ की कांप' में वह दार्शनिक लहजे में जीवन और नियति को परिभाषित करते हैं। कहा जा सकता है कि किसी वाद या वैचारिकता से मुक्त ये भावसंपन्न कविताएं, आने वाले समय में अनुराग से और बेहतर रचनाओं की उम्मीद जगाती हैं। *

पुस्तक: उम्मीद प्रेम का अन्न है (कविता संग्रह), **लेखक:** अनुराग वत्स, **मूल्य:** 150 रुपए, **प्रकाशक:** रुख पब्लिकेशंस, नई दिल्ली

कहानी

शीला श्रीवास्तव

सविता जी को इस बात की चिंता मन ही मन में सताए हुए थी कि बेटे रवि की शादी के बाद उनका प्यार बंट जाएगा। वह पत्नी का साथ पाकर उनसे दूर हो जाएगा। इसलिए वह उसकी शादी टाल रही थीं। मां के आगाध प्रेम पर केंद्रित दिल को छूती कहानी।

अलगाव

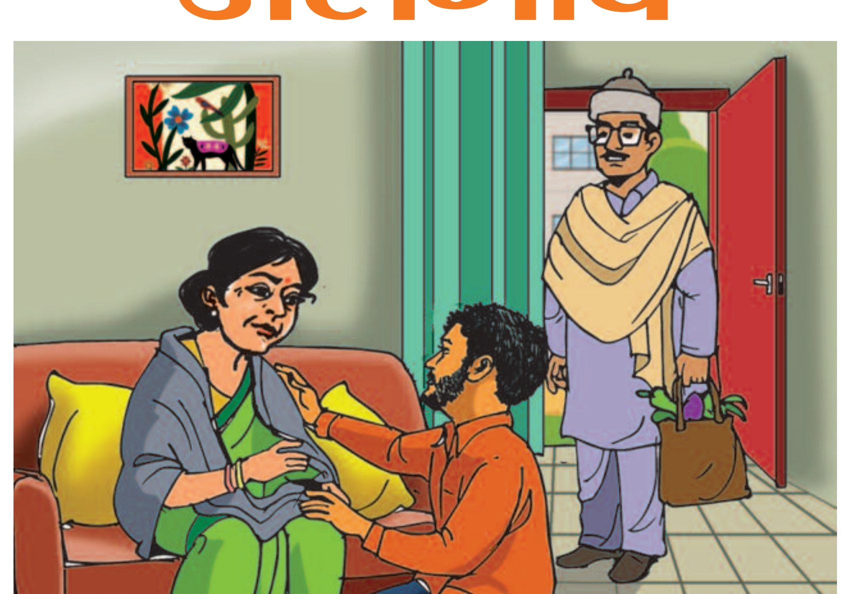

मंदिर से आकर सविता जी धम्म से सोफे पर बैठ गईं। पति जयप्रकाश जी ने धीमे स्वर में पूछा, 'क्या बात है भाग्यवान, मूड क्यों खराब है?'

'पता नहीं, लोगों को क्या पड़ी है, जो बार-बार हमारे बेटे रवि की शादी के बारे में पूछते हैं। अरे, नहीं करनी मुझे रवि की शादी। शादी के बाद वह भी हमसे अलग हो जाएगा।' सविता जी कुढ़ते हुए बोलीं।

'तुम स्वार्थी हो गई हो रवि की मां। अपने स्वार्थ के लिए तुम अपने बेटे को सदा के लिए कुंवारा रखना चाहती हो।' जयप्रकाश जी गंभीर स्वर में बोले।

'आपको जो समझना है, समझिए।' दोनों पति-पत्नी में बहस चल ही रही थी, तभी रवि आ गया। उसके आते ही दोनों ऐसे हंस-हंसकर बातें करने लगे, जैसे उनके बीच कोई हास-परिहास चल रहा हो।

दरअसल, रवि अपनी मां के मन से अनभिज्ञ अपनी एक कुलीग सुजाता से प्यार कर बैठा। एक दिन सकुचाते-सकुचाते उसने अपने दिल की बात अपनी मां से कह ही दी। सविता जी को जैसे झटका-सा लगा। वह जड़वत रह गईं। तभी रवि ने मां को झकझोरते हुए पूछा था, 'क्या सोच रही हो मां?'

'कुछ नहीं बेटा, शादी की अभी इतनी जल्दी क्या है? अभी छब्बीस की ही तो उम्र है तुम्हारी।' सविता जी अपनी भावनाओं को छुपाते हुए बोली थीं।

बस उसी दिन से रवि उदास रहने लगा। सविता जी अपने बेटे के उदासी के कारण को अच्छी तरह जानती थीं, लेकिन वह अपनी शंकाओं से मुक्त भी तो नहीं हो पा रही थीं।

एक दिन वह अपने बेटे रवि के सिर पर हाथ फेरते हुए बोलीं, 'काश! तू हमेशा बच्चा ही रहता तो कितना अच्छा होता, लेकिन अब तू बड़ा हो गया है। तुझे मां की नहीं बल्कि एक जीवन संगिनी की जरूरत है...।' लेकिन सविता जी ने वाक्य अधूरा ही छोड़ दिया। उनकी आवाज बीच में ही भर आई थी, आंखों से मोटे-मोटे आंसू टपक पड़े।

रवि अपनी मां के आंसुओं का मतलब नहीं समझ पाया, इसलिए आश्चर्य और प्रश्न भरी नजरों से मां को निहारने लगा। तभी जयप्रकाश जी ने बात संभाली, 'अरे बेटा, तुम्हारी मां डरती है कि शादी के बाद कहीं तुम्हारा प्यार बंट ना जाए।'

'ओफ्फ हो मां.. तुम भी न, कुछ भी सोचती रहती हो।' रवि हंसते हुए बोला।

रवि के ऑफिस जाने के बाद जयप्रकाश जी ने सविता जी को समझाया, 'देखो रवि की मां, हम मां-बाप को अपना फर्ज निभाना चाहिए। अब आगे चलकर बेटा-बहू हमें पूछें या ना पूछें, यह उनकी मर्जी। अपने स्वार्थ में अंधे होकर हम अपने बच्चों की खुशियों को दांव पर तो नहीं लगा सकते ना।'

जयप्रकाश जी एक पल रुक कर आगे बोले, 'अच्छा बताओ, तुम्हें ज्यादा खुशी किस बात में होगी, जब रवि कुंवारा रहकर दुखी मन से हम लोगों की सेवा करेगा या फिर अपने जीवन साथी के साथ खुशहाल जिंदगी जिएगा?'

'हां, मैं स्वार्थी हो गई थी। मेरे लिए तो मेरे बेटे की खुशी से बढ़कर कुछ और नहीं होना चाहिए। यह सही नहीं है।' सविता जी को अपने पति की बात अच्छे से समझ में आ गई थी।

दूसरे ही दिन सविता जी अपना घुटना लेकर बैठ गईं।

'क्या हुआ मां, घुटने में दर्द हो रहा है क्या?' रवि ने पूछा।

'हां रे, बहुत दर्द हो रहा है। अब मुझसे ज्यादा काम नहीं होता। ऐसा कर तू शादी कर ले।' सविता जी झूठ-मूठ दर्द से कराहती हुई बोलीं।

'क्या मां, कभी तुम कुछ बोलती हो तो कभी कुछ।' रवि सहज स्वर में बोला। जयप्रकाश जी अपनी पत्नी के बहाने को अच्छी तरह समझ रहे थे, इसलिए तपाक से बीच में बोल पड़े, 'अब तुम्हारी मां सठिया गई हैं बेटा। बहू आ जाएगी तो इनको सहारा मिल जाएगा।'

'ऐसी बात है तो मैं कल ही लड़की वालों को घर पर बुलाता हूं।' रवि खुशी से चहकते हुए बोला तो सविता जी की आंखें भर आईं। इस बार उनकी आंखों में स्नेह के आंसू थे।

जयप्रकाश जी ने राहत की सांस ली। *

लघुकथा / डॉ. मोनिका शर्मा

त्योहारी शगुन

श्वेता संक्रांति के पर्व पर दिए जाने वाले शगुन को सगे-संबंधियों और आस-पड़ोस की महिलाओं के बजाय मेड सर्वेंट्स को देती रही है। आज त्योहार के दिन सुबह-सुबह शगुन सामग्री बांटने की तैयारी में जुटी श्वेता को सासू मां ने टोका। सुहाग से जुड़ी चीजें अपनी बराबरी वालों को देने की सलाह देतीं, सासू मां के आपत्ति जताने पर उसने सहज भाव से कहा, 'इसमें बराबरी कैसी मां? यूं इस पर्व पर स्नेह स्वरूप भेंट देने की रीत पुण्य कमाने से ज्यादा परवाह के भाव से जुड़ी है। परवाह की सोच प्रेम की डोर से बंधी है। प्रेम का आधार किसी के जीवन को सहज बनाना है। सहजता किसी की आवश्यकताओं और परिस्थितियों को समझकर मदद करने की श्रद्धा से जुड़ी है।' 'अच्छा ठीक है...ठीक है।' कहते हुए सासू मां ने मुस्कुराते हुए हामी भरी। फिर थोड़ी गंभीर होकर बोलीं, 'हां, बात तो सही है। आपस में लेना-देना करने से तो इस रीत के मायने ही बदल गए। यह रिवाज बना तो सौगात स्वरूप एक-दूजे का जीवन सहज बनाने वाले सामान देने को लेकर ही है ना। समय के साथ रीत भी बदलनी ही चाहिए बहू।'

श्वेता की खुशी सासू मां का समर्थन पाकर और बढ़ गई। उसने प्यार भरे अंदाज में सूचित करते हुए कहा, 'मेरा ही नहीं, अबके बरस आपका शगुन भी ठंड के मौसम में हमारा जीवन सहज-सुविधाजनक बनाने वाली मेड सर्वेंट्स को देंगे मां।'

त्योहार के दिन घर के स्नेहमयी परिवेश में इस बात पर लगा दोनों का ठहाका डोर बेल बजते ही रुका। कड़कड़ाती ठंड में श्वेता ने ठिठके हाथों से दरवाजा खोला तो पिछले साल त्योहारी सौगात में दी स्वेटर पहने उनकी घरेलू सहायिका खड़ी थी। उसके भीतर आते ही सास-बहू ने मानवीय अनुभूतियों भरी मुस्कुराहट संग एक-दूजे की ओर देखा और शगुन की सामग्री पर जा टिकी उनकी आंखें संवेदनाओं की नमी से भीग गईं। आसमान तक छाई रंग-बिरंगी त्योहारी रौनक में आज दो पीढ़ियां परवाह के भाव से उपजे सार्थक परिवर्तन की साक्षी बनीं, विचार के बदलाव से आए व्यावहारिक परिणाम को देख रही थीं। *

लेखक ध्यान दें...

लेखक रविवार भारती में प्रकाशनार्थ अपनी रचनाएं / लेख कृपया ई-मेल आईडी **haribhoomifeaturedep@gmail.com** पर भेजें।

तरकश

संजय के. दीक्षित

विष्णुदेव के सारथी?

बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व ने छत्तीसगढ़ के मंत्रिमंडल गठन में एक प्रयोग किया है...विभिन्न वर्गों को इसमें प्रतिनिधित्व दिया गया है। कुछ पुराने हैं, तो कुछ नए भी। पहली बार दो डिप्टी सीएम भी। पुराने लोगों को याद होगा...मध्यप्रदेश के दौर में 90 के दशक में दिग्विजय सिंह के साथ दो डिप्टी सीएम बनाए गए थे...एमपी से सुभाष यादव और छत्तीसगढ़ से प्यारेलाल कंवर। इसके करीब 30 साल बाद कांग्रेस सरकार ने डिप्टी सीएम का फार्मूला अजमाया और टीएस सिंहदेव को उप मुख्यमंत्री बनाया गया। हालांकि, इसका रिजल्ट अच्छा नहीं रहा। पूरे समय खींचतान चलती रही। बहरहाल, विष्णुदेव कैबिनेट की खासियत यह है कि इसमें अनुभवी के साथ ही नए फ्रेश चेहरे भी हैं। बेशक, इनकी क्रियेटिव सोच का लाभ छत्तीसगढ़ को मिलेगा। मगर इसके साथ यह भी...सबको स्वयं अपनी सीमाओं का ध्यान रखना पड़ेगा। वरना, घर के भीतर से बर्तन गिरने की आवाजें बाहर आएंगी तो उसके संदेश अच्छे नहीं जाएंगे। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ0 रमन सिंह के पास सौदान सिंह जैसे सारथी थे। उस समय उनके बारे में बड़ी चर्चाएं होती थी, सौदान भाई साब ने चाबुक चलाई तो कभी डंडा चलाया। सौदान सिंह की भूमिका उस समय इसलिए महत्वपूर्ण रही कि रमन का चाबुक और डंडा वाला स्वभाव नहीं था। शिवराज सिंह, बैजेंद्र कुमार, अमन सिंह...ये सभी 2010 के बाद फुल फर्म में आए। तब तक सौदान ही कृष्ण की भूमिका में रहे। रमन सिंह जैसे विष्णुदेव साय भी हैं। बीजेपी को लंबे समय तक क्रीज पर टिके रहने के लिए मोदीजी को एक सौदान सिंह भी नियुक्त करना होगा। वरना, मंत्रियों की महत्वकंक्षाएं बढ़ेंगी तो बीजेपी के साथ छत्तीसगढ़ का भी नुकसान होगा।

चूके तो चौहान कैसा

आईएएस को आज भी देश की सबसे प्रतिष्ठित सर्विस माना जाता है। आईटी और ईडी की छाया पड़ने से पहले तो उन्हें रहनूमा ही समझा जाता था...प्रमोशन से लेकर डीए आदि सब टाईम पर। मगर छत्तीसगढ़ में उनकी ग्रह दशा कुछ ज्यादा ही बिगड़ गया था। कर्मचारियों का डीए बढ़ता रहा और वे बेचारे आह भी नहीं भर पा रहे थे। यह पहला मौका था कि डीए के मामले में हमेशा पीछे रहने वाले छत्तीसगढ़ के कर्मचारी ऑल इंडिया सर्विस वालों से आठ परसेंट आगे हो गए। हालांकि, ऐसा नहीं कि नौकरशाहों ने इसके लिए प्रयास नहीं किया। किसी जगह पर उन्होंने बात रखने की कोशिश की थी, मगर तल्खी से पूछ दिया गया...आईएएस को महंगाई भत्ते की क्या जरूरत? इसके बाद फिर किसकी मजाल...वे डीए का ड बोलना भूल गए। फिर भी ठहरे आईएएस। सबसे बड़ा कंपीटिशन क्लियर करके आए हैं...सो मौके का इंतजार था। विधानसभा इलेक्शन के दौरान उन्हें अवसर मिल भी गया। दरअसल, चुनाव के दौरान कर्मचारियों पर डोरे डालने के लिए सरकार ने चुनाव आयोग से डीए बढ़ाने का परमिशन मांगा था। जीएडी के अफसरों ने मौके का फायदा उठाते हुए कर्मचारियों के साथ ऑल इंडिया सर्विस को भी जोड़ दिया। अब आयोग भी कम थोड़े है...इजाजत दिया भी वोटिंग के बाद। तब आचार संहिता प्रभावशील था ही। जीएडी को किसी से पूछने की जरूरत नहीं थी। सो, चुनाव आयोग का हवाला देते हुए ऑल इंडिया सर्विस वालों के लिए डीए वृद्धि का आदेश निकाल दिया। सरकार ने जिन कर्मचारियों को लिए आयोग को लिखा था, वह कर्मचारी वर्ग ताकता रह गया, आज तक उनका आदेश नहीं निकला। ठीक भी है...ऑल इंडिया सर्विस के अफसर हैं...महंगा लाइफस्टाईल...महंगाई भत्ते में उन्हें आगे रहना ही चाहिए।

नाम VVIP पुलिस और...

वीवीआईपी जिले की पुलिस गजबे कर रही है...जशपुर जिले के सन्ना में एक फॉरेस्ट कर्मी दंपति की घर घुसकर विधायक के रिश्तेदार और उसके लोगों ने जमकर पिटाई कर डाली। मगर यह जानते हुए कि पीड़ति दंपति एक बेहद महत्वपूर्ण व्यक्ति के करीबी रिश्तेदार हैं...पहले एफआईआर दर्ज करने में हीलाहवाला करती रही और बाद में अपराध दर्ज हुआ भी तो जमानती। ये वही जशपुर पुलिस है, जो विधानसभा चुनाव के दौरान मामूली बात पर पार्टी प्रत्याशी विष्णुदेव साय के खिलाफ अपराध दर्ज करने में देर नहीं लगाई थी। वीवीआईपी जिले की पुलिस महत्वपूर्ण लोगों के रिश्तेदारों को भी न्याय नहीं दिला पाएगी तो फिर किसके लिए क्या करेगी...इस घटना से समझा जा सकता है। बहरहाल, जशपुर का मजबूत कंवर समाज इस घटना से काफी नाराज है।

मंत्री, सिकरेट्री की जोड़ी

सभी मंत्रियों को मन मुताबिक सिकरेट्री नहीं मिलते। सबसे बढ़ियां वालों को मुख्यमंत्री अपने सचिवालय और विभागों के लिए छांट लेते हैं। उनके बाद कोई मापदंड नहीं होता। सरकार जैसा चाहे, वैसा सिकरेट्री टिकाया जाता है। वैसे सिकरेट्री के मामले में दोनों डिप्टी सीएम की स्थिति ठीक है। अरुण साव के पास कमलप्रीत सिंह और बसव राजू हैं तो विजय शर्मा के पास एसीएस मनोज पिंगुआ और निहारिका बारिक। वित्त और आवास पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी चूकि खुद ब्यूरोक्रेसी से रहे हैं इसलिए आर, संगीता और अंकित आनंद को छांट लिया। बाकी दो मंत्री अपने सिकरेट्री से बहुत खुश नहीं हैं। इनमें से एक की लेडी सिकरेट्री हैं। लखनलाल देवांगन जरूर किस्मती रहे, उन्हें कोरबा कलेक्टर रहे मो0 कैसर हक मिल गए। कैसर कोरबा के काफी पॉपुलर कलेक्टर रहे, तब लखनलाल कटघोरा से विधायक थे। काफी लो प्रोफाइल के लखनलाल लोगों के विभिन्न कामों को लेकर कलेक्टर के पास अक्सर जाते रहते थे। अब लखनलाल मंत्री हैं और कैसर उनके सिकरेट्री।

ऐसे मंत्री भी...

बात मंत्री लखनलाल देवांगन की चली तो बता दें, विष्णुदेव साय कैबिनेट के वे संभवतः पहले मंत्री होंगे, जो रायपुर के सवा तीन लाख वाले मकान में रहते हैं। आप यह पढ़कर चौंकेंगे...मगर यह सच है कि राज्य निर्माण के समय कर्मचारियों के लिए बनाए गए कचना रेलवे क्रॉसिंग के बाद हाउसिंग बोर्ड के 600 वर्गफुट के दो कमरे वाले फ्लैट में वे रहते थे। बुकिंग के दौरान इसकी कीमत सवा तीन लाख रुपए थी। लखनलाल जब भी रायपुर आते, इसी फ्लैट में रुकते थे। मंत्री पद की शपथ के लिए जब उनका लाव लश्कर हाउसिंग बोर्ड के अपार्टमेंट पहुंचा तो आसपास के लोग भौंचक रह गए। शाम होते-होते वहां पुलिस की तैनाती करनी पड़ गई क्योंकि पास पड़ोस के लोग यह देखने पहुंचने लगे कि राज्य का मंत्री इतने छोटे से फ्लैट में कैसे रहता होगा। हालांकि, वे मेयर भी रहे हैं। मगर न तो उस समय उतना बजट होता था और न ही वे उस तरह के लूटपाट वाले नेता नहीं हैं...वरना कमाने वाले लहर गिनकर पैसे कमा लेते हैं।

7 और आईएएस

छत्तीसगढ़ को जल्द ही सात और आईएएस मिल जाएंगे। सीएम विष्णुदेव साय ने डीपीसी की फाइल को अनुमोदन दे दी है। चूंकि ये फाइल अब बुलेट ट्रेन की रफ्तार से दौड़ रही है, इसलिए समझा जाता है कि अगले महीने के फर्स्ट वीक तक यूपीएससी में डीपीसी कॉल हो जाए। इस समय राप्रसे से आईएएस अवार्ड के सात पोस्ट खाली हैं। इनमें संतोष देवांगन और हीना नेताम पुराने बैच के छूटे हुए हैं। इन दोनों का केस अब क्लियर है, इसलिए इनका नाम लिस्ट में उपर होगा। इसके बाद 2008 बैच में सात अफसर हैं। अश्वनी देवांगन, रेणुका श्रीवास्तव, आशुतोष पाण्डेय, सौम्या चौरसिया, रीता यादव, लोकेश चंद्राकर, आरती वासनिक और प्रकाश सर्वे। इनमें से मेरिट कम सीनियरिटी के आधार पर पांच को आईएएस अवार्ड होगा। मेरिट याने सीआर क होना चाहिए। हालांकि, सीआर ख भी है तो भी यूपीएससी सूक्ष्म परीक्षण करती है कि कहीं किसी विद्धेष से किसी का सीआर खराब तो नहीं किया गया है।

रापुसे का दुर्भाग्य

राज्य प्रशासनिक सेवा वालों को तो दो साल ही लेट हुआ, पुलिस सेवा वाले तो किस्मत के मारे हैं। 2008 बैच के डिप्टी कलेक्टर आईएएस बनने जा रहे मगर पुलिस में अभी 98 बैच को आईपीएस अवार्ड नहीं हुआ है। इस बैच के प्रफुल्ल ठाकुर चार-पांच जिलों की कप्तानी करके कई साल से सीएम सिक्यूरिटी में हैं। इसके बाद भी नॉन आईपीएस बनकर बैठे हैं। दरअसल, पुलिस में दिक्कत यह है कि आईपीएस भिड़-भाड़कर अपना प्रमोशन करा लेते हैं मगर जिन रापुसे अधिकारियों से वे दिन रात काम कराते हैं, उन्हें कोई पूछता नहीं। इसकी एक बड़ी वजह सरकार में रापुसे की फील्डिंग नहीं सही नहीं है। पीएचक्यू का रोल भी इस मामले मे उनके प्रति बहुत अच्छा नहीं रहा। वरना, पुलिस सेवा वाले डिप्टी कलेक्टरों से प्रमोशन में एक दशक पीछे थोड़े होते।

अंत में दो सवाल आपसे

1. एक आईएएस का नाम बताएं, जिसे सरकार किसी की भी हो, पोस्टिंग हमेशा दमदार मिल जाती है?
2. एसपी और आईजी की वीसी में डीजीपी अशोक जुनेजा ने जिस तरह नशे पर कार्रवाइयों को लेकर तेवर दिखाया...क्या उससे पीएचक्यू में होने वाले बदलाव पर संशय नहीं गहराता?

फिल्म 695, पांच सौ साल के सनातनी संघर्ष का जीवंत दस्तावेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

भारत की अस्मिता और सनातन संस्कृति के पांच सौ साल के संघर्ष की पूर्णाहुति के स्वरूप 22 जनवरी 2024 को राम जन्मभूमि पर अयोध्या में निर्मित भव्य मंदिर में मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम विराजमान हो रहे हैं। सनातनी इतिहास के इस गौरवशाली क्षण के पूर्व सनातनी संघर्ष के इतिहास को समेटे फिल्म "695" का प्रीमियर 12 जनवरी की संध्या धर्म, अध्यात्म, राजनीति, कला, संस्कृति, साहित्य जगत की विभूतियों की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। शदाणी फिल्मस के बैनर तले बनी फिल्म "695" में रामजन्म भूमि की संघर्ष गाथा का जीवंत चित्रण है। फिल्म के निर्माता श्याम चावला ने भारत के ऐतिहासिक सत्य पर आधारित इस फिल्म को रामजन्म भूमि आंदोलन की तीन महत्वपूर्ण घटनाओं को जोड़कर बनाया है। इस फिल्म में मुख्य कलाकार के रूप में रामानंद सागर की रामायण में प्रभु श्री राम की भूमिका निभाने वाले अभिनेता अरुण गोविल शामिल हैं, जो एक बार फिर से रजत पट पर भारतीय चेतना की अलख जगा रहे हैं। फिल्म में अरुण गोविल एक ऐसे साधु की भूमिका में दिखाई दे रहे हैं, जिन्होंने अपना पूरा जीवन भगवान राम और राम मंदिर बनने की प्रतीक्षा में बिता दिया। शदाणी फिल्म्स के बैनर तले बनी फिल्म का निर्देशन योगेश और रजनीश बेरी ने किया है।

■ शदाणी फिल्म्स ने उकेरी सिल्वर स्क्रीन पर ऐतिहासिक हकीकत

इसलिए नाम रखा 695 : निर्माता श्याम चावला ने इसे रामजन्म भूमि आंदोलन की तीन महत्वपूर्ण घटनाओं को जोड़कर रचा है। पहली घटना 6 दिसंबर 1992 की है, जब ढांचा ध्वस्त किया गया था। दूसरी घटना 9 नवंबर 2019 की है, जब सुप्रीम कोर्ट ने रामजन्म भूमि को लेकर रामलला विराजमान के पक्ष में फैसला देकर विश्व के समस्त सनातनियों के आस्था, विश्वास, तत्थात्मक धारणा को मान्यता दी। तीसरी घटना 5 अगस्त 2020 की है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भव्य राम मंदिर का शिलान्यास किया। भारतीय जनमानस के हृदय से जुड़ी इन तीनों घटनाओं की तारीखें जोड़कर ही फिल्म का नाम 695 रखा गया है।

इन्होंने दिया फिल्म 695 को मूर्त रूप: फिल्म 695 में अरुण गोविल के अलावा अशोक समर्थ, मनोज जोशी, मुकेश तिवारी, गोविंद नामदेव, अखिलेंद्र मिश्रा,के के रैना और गजेंद्र चौहान जैसे कई और सिद्ध प्रसिद्ध अभिनेता भी अलग-अलग भूमिका में नजर आ रहे हैं। अरुण गोविल ने किरदार के अनुरूप ही अपना लुक भी बदला है।

अमित साध पुणे हाईवे में आएंगे नजर...

मुंबई। अभिनेता अमित साध 'दुरंगा 2' में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद अपनी अगली बड़ी फिल्म के लिए तैयार हैं। इस बार, वह 2024 में आने वाली पुणे हाईवे नामक एक नई फिल्म में सभी का मनोरंजन करने को तैयार हैं। अमित ने विभिन्न फिल्मों में अपने शानदार प्रदर्शन से कई लोगों का दिल जीता है, और दुरंगा 2 में उनकी भूमिका ने उनकी सफलता में और इजाफा किया है। अब, प्रशंसक यह देखने के लिए उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं कि पुणे हाईवे में उनके लिए क्या नया आने वाला है। 2024 में फिल्मों को लेकर बेहद उत्साहित है और जो लोग फिल्मों को पसंद करते हैं वे इस विशेष फिल्म के आने का इंतजार कर रहे हैं और देखेंगे कि इसमें अमित साध कितने अद्भुत हैं।

तय समय में रिलीज होगी पुष्पा-2

मुंबई। वर्ष 2024 की बहुप्रतीक्षित और बहुप्रचारित फिल्म पुष्पा-2 का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म को लेकर पिछले कुछ समय से यह कहा जा रहा था कि यह फिल्म अपने तय समय 15 अगस्त को प्रदर्शित नहीं होगी। हालांकि फिल्म निर्माताओं ने इन समाचारों को पूरी तरह से निराधार बताया है और कहा है कि फिल्म अपने तय समय पर ही प्रदर्शित होगी। फिल्म की शूटिंग फुल स्पीड से चल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, डायरेक्टर सुकुमार और अल्लू ने फैसला किया है मई 2024 तक शूटिंग खत्म करनी है। 100 दिनों का शूट अभी रहता है और टीम लगातार 5 महीने तक काम कर रही है ताकि फिल्म की शूटिंग जल्द खत्म हो।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

आवश्यकता है- ग्लोबल' इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड में तत्काल परमानेंट भर्ती लड़के-लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन कार्यानुसार 7300+ 9500+ 11000+ 13500 + 15000 बाहर के लोगों को रहना+ खाना मेडिकल फ्री मार्कशीट की फोटो कॉपी+ 2 फोटो+ बायोडाटा के साथ। **संपर्क करे:- भिलाई पावर हाउस, ओवर ब्रिज के पास लक्ष्मी मेडिकल के बाजू में (छ.ग.) मो.- 91097-99525.** (RO-6301)

केयर टेकर

आवश्यकता है- रायपुर में पुरुष कोमा पेसेंट हेतु केयर टेकर की जो कि नर्सिंग कोर्स किया हो एवं जिसे 3 वर्ष का क्रिटिकल केयर का अनुभव हो। वेतन रुपये 18000/- प्रतिमाह रहने की व्यवस्था प्रदान की जावेगी। **संपर्क करे:- राकेश अग्रवाल, A-73 लविस्ता कॉलोनी अमलीडीह रायपुर 9575042804 मिलने का समय सुबह 9 से 11 तक.** (RO-2413)

टीचर

आवश्यकता है- शिक्षक (महिला- पुरुष) हिंदी माध्यम के सेजबहार -धुसेरा स्कूल में आठवीं तक पढ़ाने (फुल/ पार्टटाइम) एवं माली /चौकीदार/ महिला रसोईया भी चाहिये अनुभवी शाकाहारी आवेदकों को प्राथमिकता योग्यता पात्रता अनुसार मानदेय व अन्य सुविधाये- **संपर्क सुबह 8 से 10 के बीच मोबाइल 9977604440, 9826107799.** (RO-1079)

नर्सिंग स्टाफ

आवश्यकता है- आयुष्मान हॉस्पिटल साई मंदिर कुर्रा (नवापारा राजिम) मे.. 1 नर्सिंग स्टॉफ (Anm, gnm, bsc nursing, mpw) 2 मेडिकल स्टाफ (फार्मेसी) 3 रिसेप्शन स्टाफ नोटः- अनुभवी अभ्यर्थी को पहले प्राथमिकता दी जाएगी आयुष्मान हॉस्पिटल साइन मंदिर कुरा में इंटरव्यू (साक्षात्कार) दिनांक 14/1/2024 को सुबह 10 से 2 बजे तक रखा गया है जिसमें इच्छुक अभ्यर्थी अपने सभी दस्तावेजों के साथ अपनी उपस्थिति देवे मो. 9109154278 मो. 9109154276. (RO-1080)

टाईपिस्ट

आवश्यकता है
अंग्रेजी व हिंदी टाईपिंग हेतु टाईपिस्ट की आवश्यकता है।
पूर्ण बायोडाटा के साथ सम्पर्क करें:
सोमवार 15 जनवरी शाम 6 से 7 बजे
गायत्री पैलेस, चिखली, धमधा रोड, दुर्ग
93030 72667

वेल्डर/हेल्पर

आवश्यकता है- 3 वेल्डर और 5 हेल्पर की आवश्यकता है ,हेल्पर में महिला भी स्वीकार्य है । **संपर्क करें - अवंती बाई चौक सुपेला भिलाई बैंक ऑफ बड़ौदा के पीछे मो.- 87700 35188.** (RO-386)

आवश्यकता

आवश्यकता है- जानवरों की सेवा करें और बढ़िया वेतन कमाए। चंदखुरी रायपुर (छ. ग.) स्थित कुत्तों के अस्पताल में लड़कों की आवश्यकता है। रहने, खाने की पूरी सुविधा। **मो. 9981116741, जीव प्रेमियों का स्वागत।** (RO-7459)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- कार एसेसरीज दुकान में काम करने के लिए लड़के और लड़कियों की दुकान आव्यशक्ता है **संपर्क करे भाव्या ट्रेडर्स नवभारत प्रेस के सामने शहीद स्मारक कॉम्प्लेक्स रायपुर मो 8818833330.** (RO-R.P)

ड्रायवर

आवश्यकता है- टाटा - एस (छोटा हाथी) डुमरतराई में चलाने हेतु ड्रायवर एंव हेल्पर चाहिये। मों. नं. :- 8959884849. (RO-1082)

आवश्यकता है- चुस्की चाय में गाड़ी चलाने के लिए ड्राइवर की आवश्यकता है। **संपर्क- जैन ट्रेडर्स नियर** SBI ATM **आकृति विहार अम्लीडीह रायपुर (छ. ग.) मो. 74699-80000, 0771- 4075490** (RO-1078)

आवश्यकता है- बांठिया हॉस्पिटल में एम्बुलेंस व घरेलू गाड़ी चलाने के लिए ड्राइवर की आवश्यकता है रहने की सुविधा उपलब्ध **मिले: बांठिया हॉस्पिटल राजा तालाब रोड़ रायपुर फोन 0771- 2425009.** (RO-2421)

आवश्यकता है- रायपुर एयरपोर्ट में इनोवा क्रिस्टा स्विफ्ट। चलाने के लिए ड्राइवर की आवश्यकता है। सैलरी क्रिस्टा- 25000, स्विफ्ट- 15000, + PF+ ESI+ पेंशन, संपर्क करें राहुल ट्रेवल्स रायपुर एयरपोर्ट मोबाइल 7399411411. (RO-3670)

आवश्यकता है- ट्रेवल्स दुर्ग में टैक्सी चलाने हेतु अनुभवी ड्रायवरों की तत्काल आवश्यकता है **संपर्क करें:- मो. 7224062041, 93017 44445.** (आरो न.-389)

आवश्यकता है- Fortuner व XUV कार ड्राइवर की आवश्यकता है। के.पी. मिश्रा कन्स्ट्रक्शन **पता:- महाराजा चौक, डी-15, आदर्श नगर, दुर्ग 7869877505, 7000343771.** (आरो न.-390)

आवश्यकता है- रायपुर (छ.ग.) में घरेलू कार चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। **लाइसेंस, आधार कार्ड सहित संपर्क करें मो. 9329121313.** (RO-2227)

कुक

आवश्यकता है- देहरादून उत्तराखंड के लिए एक फुलटाइम cook चाहिए एक साल के कॉन्ट्रैक्ट पर। जाने आने का खर्च ओर रहना फ्री। **संपर्क करें 8458829939.** (RO-425)

सुरक्षागार्ड

आवश्यकता है- दुर्ग ,छावनी, भिलाई , चरोदा, कुम्हारी के लिए सुरक्षा गॉर्ड कि आवश्यकता है कृपया तुरन्त संपर्क करे। वेतन - 8000- 10000 द रेड बैरेट सिक्युरिटी 150,**आकाशगंगा सुपेला भिलाई 78283-72777, 89820-00831.** (RO-391)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ के बाहर ऑफिस कार्य हेतु 18-28 वर्ष के 10वीं 12वीं पास अविवाहित लड़के चाहिए वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस+ रहना फ्री ट्रेनिंग पश्चात 15-20 हजार **सम्पर्क- सरकंडा बिलासपुर 8871422576, 8827688865.** (RO-1303)

क्लासीफाईड

सेल्सगर्ल/सेल्समैन

आवश्यकता है- बैडमिंटन गटींग एवं शॉप के लिए सेल्समैन/सेल्सगर्ल (कपड़े दुकान में कार्य किये अनुभवी को प्राथमिकता) की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार+ कमीशन **संपर्क मैक स्पोर्ट्स मैक कॉम्प्लेक्स कोटा रायपुर 8982112440, 8319501931.** (RO-M)

टेक्नीशियन

आवश्यकता है- यूरेका फॉर्ब्स लिमिटेड प्रोडक्ट हेतु आवश्यकता है सेल्स रिप्रेजेंटेटिव 6 सर्विस टेक्निशियन 2 telly caller 2 [anubhav avashyak nahi] **संपर्क करें दीपिका सर्विसेज कर्मचारी कॉलोनी कुशालपुर रायपुर 9826652461.** (RO-2420)

ऑफिस सहायक

आवश्यकता है- ऑफिस सहायक हेतु युवकों की आवश्यकता है वेतन 10,000+ कमीशन, बोनस रहना फ्री एक महीने ट्रेनिंग के बाद मैनेजर पद पर नियुक्ति लगभग वेतन 30,000 अनुभव की आवश्यकता नहीं, दसवीं पास या फेल **मों:- 6265100904.** (RO-3694)

अन्य

आवश्यकता है- Reliance Jio 5G कंपनी में पार्ट/फुलटाइम घर बैठे Sms Job करके लड़के/ लड़कियां, ग्रहणियां, स्टूडेंट, कमाए (21,500- 67,500) महीना लैपटॉप मोबाइल मुफ्त नाम पता Whatsapp **करें-9330460875, 6296026501.** (RO-6730)

Astrology ज्योतिष

ज्योतिष - आपके घर किसी ने किया कराया, भूत-प्रेत, वशीकरण, पति-पत्नि में अनबन, गृहक्लेश, दवाई का ना लगना, या और कोई भी बाधा है तो खुली आंखों से दिखाऊंगा। दुःखीया एक बार फोन जरूर करे। **पता:-** 2nd floor, Shikhar Apartment, Near T.I. Mall, Smritinagar Bhilai, Durg **संपर्क:- स्वामी कुलदीप जी 8059178317.** (RO-2387)

Education शिक्षण

शीर्षक-फेल विद्यार्थी समय बचाए- पत्राचार ओपन प्राईवेट द्वारा 10वीं, 12वीं निश्चित सफलता के साथ पास करें B.ED, B.A, B.COM, B.Sc, BCA, MCA, BBA, M.A, M.COM, M.SC, MBA, MSW, B.LIB, M.LIB, DCA, PGDCA, POLYTECH-NIC, B.Tech, (* अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करें*) सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा **संपर्क:-** Bharti Education Academy , Sector-6 Bhilai Mo.- **9826196515, 9826896515** (RO- 6313)

Property प्रापर्टी

प्लाट

प्लॉट उपलब्ध है- प्राइम लोकेशन आईआईटी भिलाई के पास आवासीय डायवर्टेड प्लाट मात्र 499/- रूपये में उपलब्ध है। **संपर्क करें:-मो :- 78287-81009.** (RO -371)

प्लॉट उपलब्ध है- भूमि बेचना है रजिस्ट्री फ्री भिलाई- दुर्ग से नज़दीक शिवनाथ नदी के पास, फार्म हाऊस के लिए 12 एकड़ में फ्रेश कटिंग प्लॉट मात्र 151/- रू. वर्गफीट में उपलब्ध है। मो.न. - 9827423470. (आरो न.-382)

बंगला

बंगलो बेचना है- ढौर जामुल में 4000Sqft जमीन पर दो मंजिला डुप्लेक्स 4BHK नवनिर्मित वास्तुअनुसार सर्वसुविधायुक्त उत्तरमुखी डबल रोड पर बना हुआ बंगलो बेचना है। **संपर्क करें- मो. -78696-57938, 86022-94968.** (आरो न.-388)

फ्लैट

फ्लैट बेचना है- फ्लैट नं. 301, 302 तीसरे फ्लोर में कुल 1555 Sqft. में बना हुआ 4 बेडरूम, हाल, किचन, सर्वेंट रूम, स्टोर रूम, सर्वसुविधायुक्त फ्लैट बेंचना है। पता- श्रीराम रेसीडेंसी शंकरनगर बाटल हाऊस के पास रायपुर संपर्क करें- 9977345867 (RO - 1065)

For Rent किराया

किराये से देना है- रिंग रोड नंबर -2 भनपुरी रायपुर में 5000 से 40000 वर्गफुट तक एंव 25 HP से 100 HP तक पॉवर कनेक्शन के साथ किराये से देना है। **संपर्क 7000428398.** (RO-1203)

किराये से देना है- शुभ कदम 2/3 BHK मकान 700sf हाल 1 रूम 2 लेटबाथ 1/4 BHK मकान कामर्शियल लाखेनगर 5000sf गोडाऊन सेडवाल लालपुर और कमल विहार में किराये से देना है, कुम्हारी में 4BHK का मकान प्ले स्कूल के लिए किराये से चाहिये **संपर्क 6266969255.** (RO-1083)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

वैवाहिकी वधु चाहिए

वधु चाहिए- गुजराती 44/ 5'11" स्वयं का व्यवसाय इनकम 40000 मासिक, युवक हेतु कन्या चाहिए उच्च जाति बंधन नहीं संपर्क करें 98271 14645, 9131139179 (2406)

वधु चाहिए- 43 वर्ष वर के लिए, जाति ठाकुर, वधु चाहिए जाति बंधन नहीं है रायपुर में घर एवं कृषि जमीन सम्पन्न परिवार संपर्क करे मो. 9300982497 (58)

वर-वधु चाहिए - जीवन साथी चाहिए मिडिल क्लास फैमिली। जिस किसी व्यक्ति को रिश्ता करना है वही सम्पर्क करें- 7773005924 (32538)

परिचय सम्मेलन

पंजीयन क्र. 1582/69
म.प्र. राजपूत समाज
6वा अ.भा.क्षत्रिय/राजपूत युवक-युवती परिचय सम्मेलन
रविवार, 28 जनवरी 2024
योग्य व उत्तम जीवनसाथी चयन हेतु आज ही हमारी वेबसाइड पर पंजीयन करायें।
तलाकशुदा,विधवा, विधुर भी पंजीयन कर सकते हैं।

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ
हरिभूमि क्लासीफाईड

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वादों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

जैकेट के शेष

श्रीराम नहीं चाहते ....

विचार से ही भक्तों की तबियत खराब होने लगती है। इस खौफ से खुले आसमान के नीचे रखी मूर्तियों को मंदिर में प्रतिष्ठित करने का विचार तक नहीं किया जाता। सुकमा जिला राम वन गमन को लेकर पूर्व से ही चर्चा में रहा है। पौराणिक कथाओं के साथ-साथ लगातार मिल रहे अवशेषों में भी इस बात की पुष्टि हो रही है कि आज से हजारों वर्ष पूर्व भगवान राम इसी वनांचल क्षेत्र से लंका गये थे। वहीं शासन भी करोड़ों रुपए खर्च कर रामाराम मंदिर को संवारने की दिशा में कार्य कर रहा है।

स्वयं भूमि से निकली मूर्तियां : सुकमा जिले के अंतिम छोर पर स्थित इंजरम जिसका प्राचीन नाम सिंगनगुड़ा था, लेकिन भगवान राम यहां आए थे और भगवान शिव की पूजा की और प्रतिमा स्थापित की। जिसके बाद गांव का नाम बदल गया और इंजरम हो गया। बताया जाता है कि इंजरम को स्थानीय दोरली भाषा में इंजे राम वतोड़ मतलब अभी राम आऐं थे। पहले गांव का नाम सिंघनगुड़ा था लेकिन ऐसी मान्यता है कि भगवान राम यहां वनवास काल के दौरान आए थे। शबरी नदी में स्नान के बाद यहां भगवान शिव की आराधना की और प्रतिमा स्थापित की, उसके बाद वो दक्षिण की ओर बढ़े। यहां आज भी इस ग्राम में प्राचीन मूर्ति स्थापित है। यहां पर भगवान राम, सीता सहित शिव, नंदी व सप्तऋषि की भी प्रतिमा आज भी है जो स्वयं भूमि से निकली हैं।

कई ग्रामों में पाई गई भगवान राम की प्रतिमाएं : राम वन गमन क्षेत्र होने के कारण सुकमा जिले में कई ग्रामों में आज भी भगवान राम की प्रतिमा पाई गई है। जहां स्थानीय लोग अपने-अपने तरीके से पूजा-पाठ करते है। सुकमा जिले के रामाराम में भू-देवी की पूजा के बाद भगवान राम का अगला पड़ाव मुलाकिसोली होते हुए इंजरम था। श्रीराम सांस्कृतिक शोध संस्थान न्यास नई दिल्ली ने राम वन गमन पथ में 119वां स्थान दिया है। बताया जाता है कि भगवान राम यहां आए और उन्होंने शबरी नदी में स्नान किया, फिर भगवान शिव की आराधना की, उसके बाद यहां उनकी प्रतिमा स्थापित की। गांव से 100 मीटर दूर शबरी नदी स्थित है और ये गांव एनएच 30 पर स्थित है और कोंटा ब्लाक मुख्यालय से लगा हुआ है। यहां आज भी रामायण काल की प्रतिमाएं स्थापित हैं।

जब तक भगवान .....

पड़ जाते है। इसलिए यहां राम की इच्छा मानकर काम छोड़ दिया जाता है और जब तक भगवान राम किसी पेरमा पुजारी या सिरहा के मुख से अनुमति नहीं देंगे, तब तक मंदिर नहीं बन पाएगा। वर्तमान में चार दिवारी के बीच प्राचीन मूर्तियां रखी हुई हैं। आस-पास के ग्रामीण पूजा-पाठ करते हैं।

राम के रंग में रंगा ....

भी निमंत्रण दिया गया। इस रैली में दस हजार बाइकर्स शामिल होंगे। इसके अगले दिन तेलीबांधा तालाब से शोभा यात्रा निकलेगी। इसमें भी दस हजार से ज्यादा लोग शामिल होंगे। इस आयोजन को पूरी तरह से भगवा रंग में लगने की तैयारी है। मंदिरों में आयोजन के लिए लगातार मंदिरों का पंजीयन भी हो रहा है। 51 हजार मंदिरों में पूजा-अर्चना का कार्यक्रम होगा।

अयोध्या के राम मंदिर में 22 जनवरी को होने वाली राम लाल की प्राण प्रतिष्ठा का सबको इंतजार है। इस दिन देश भर के सभी राज्यों में अलग-अलग कार्यक्रम होंगे। अपने राज्य छत्तीसगढ़ में भी कई कार्यक्रम जहां उस दिन होंगे, वहीं इसके पहले भी लगातार कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

भगवा रंग में रंगेगी शोभा यात्रा : राम मंदिर की तरफ से 21 जनवरी को तेलीबांधा से राम मंदिर तक भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी। इस यात्रा में दस हजार से ज्यादा भक्त शामिल होंगे। इसका विशेष आकर्षण यह रहेगा कि सभी के हाथों में भगवा ध्वज रहेंगे। यात्रा को पूरी तरह से भगवा रंग में रंगा जाएगा।

बाइक रैली में ....

जहां कालीचरण महाराज को आमंत्रित किया गया है, वहीं अपने राज्य के संतों में वे प्रकाश महाराज, राजिम लोचन महाराज, राकेश महाराज, सर्वेश्वर दास महाराज, परमात्मानंद महाराज के साथ ही हर समाज के संतों को आमंत्रित किया गया है। जो भी संत उस दिन प्रदेश में रहेंगे, वे सभी इस रैली में शामिल होंगे।

सपने में आते ....

उन्होंने बताया कि कई बार रात्रि में युद्ध, नदी व अन्य दृश्य सपने में आते रहते हैं। कई दफे मंदिर बनाने की बात भर कहने मात्र से तबियत खराब हो जाती है।

हैदराबाद में पकड़ाया ....

जब्त करने की कार्रवाई की जा रही होगी। इसलिए रविवार को मीडिया के सामने खुलासा नहीं किया गया। यह भी चर्चा है कि शूटर ने पिस्टल जिस व्यक्ति से खरीदा था, पुलिस उसे भी पकड़ने की कोशिश में है। शूटर ने पिस्टल जिससे खरीदा है, पुलिस ने उसकी भी पहचान कर ली है। चर्चा यह है कि पिस्टल सप्लाई करने वाला मड़ई में दुकान लगातार है और पखांजुर में मेला लगाने के दौरान ही शूटर से पहचान हुई थी। शूटर के गिरफ्तार किए जाने और मीडिया के सामने लाए जाने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि शूटर को किसने हायर किया था और किसके कहने पर गोली मारी थी। शूटर विकास तालुकदार लगभग सन 2006 में गोंडाहूर में भी एक व्यापारी को गोली मारा था, तभी इस शूटर का नाम सामने आया था। पुलिस शूटर से और भी कई राज उगालवाने में सफल हो सकती है।

ईडी ने सोरेन ....

जमीन घोटाला मामले में पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया था। ईडी ने इस मामले पर सीएम सोरेन को अब तक सात समन जारी किए हैं। 14 अगस्त, 24 अगस्त, 9 सितंबर, 23 सितंबर, 4 अक्टूबर और 12 दिसंबर को भेजा था।

महादेव सट्टा एप ....

गए हैं। इसके साथ ही दो प्रापर्टी अटैच करने की जानकारी दी है। ईडी की जांच में यह बात सामने आई है कि नितिन ने ब्लैकमनी को छिपाने के लिए देश के साथ विदेश के बैंकों में रकम जमा की है। साथ ही अमित अग्रवाल द्वारा सट्टे की रकम को ब्याज में चलाए जाने की जानकारी ईडी को मिली है।

राज्यों में दर्ज प्रकरणों की जांच के बाद गिरफ्तारी : ईडी द्वारा जारी बयान के मुताबिक महादेव सट्टा एप मामले में छत्तीसगढ़, विशाखापट्टनम तथा देश के अन्य राज्यों में दर्ज प्रकरणों की जांच के बाद अमित तथा नितिन की गिरफ्तारी की गई है। ईडी के अनुसार ऑनलाइन महादेव बैटिंग एप एक सिडिकेंट है, जो अलग-अलग वेपसाइट पर नए उपयोगकर्ताओं को नामांकित करने, उपयोगकर्ता आईडी बनाने और बेनामी बैंक खातों के एक स्तरित वेब के माध्यम से धन की हेराफेरी करने में सक्षम बनाने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की व्यवस्था करता है। **इन कंपनियों का शेयर खरीदा है** : ईडी की जांच से पता चला कि नितिन टिबरेवाल मेसर्स टेकप्रो आईटी सॉल्यूशंस लिमिटेड के बहुसंख्यक शेयरधारक हैं। जांच से पता चला कि यह कंपनी महादेव ऑनलाइन बुक के लिए फ्रंट के रूप में काम कर रही थी और विदेशी पोर्टफोलियो निवेश के माध्यम से भारत में अवैध संचालन करने में मदद करता था।

अपने तथा पत्नी के नाम पर संपत्ति : महादेव सट्टा एप के पार्टनर अनिल अग्रवाल के भाई अमित जिसे ईडी ने शुक्रवार को गिरफ्तार किया है, उसके बारे में ईडी को जानकारी मिली है कि अमित ने महादेव सट्टा एप की रकम से अपने तथा अपनी पत्नी के नाम से बेशकीमती प्रापर्टी खरीदी है। उक्त प्रापर्टी खरीदने के बारे में अमित ईडी को जानकारी देने से बच रहा था।

पौने छह सौ करोड़ ....

करने की जानकारी मिली है। ईडी द्वारा जारी बयान के मुताबिक कई अवसर देने के बाद भी नितिन टिबरीवाल ने तथ्य छिपाने की कोशिश की। उन्होंने इंडी के सामने अपने विदेशी बैंक खातों और संपत्तियों का भी खुलासा नहीं किया, जिन्हें ईडी ने जांच के दौरान खोजा है।

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी।

वृष — धैर्यशीलता में कमी भी हो सकती है। संयत रहें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन के रखरखाव एवं वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं।

मिथुन — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। लाभ में वृद्धि होगी।

कर्क — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कुछ चिंता परेशान भी हो सकती हैं। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

सिंह — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है।

कन्या — आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

तुला — कला एवं संगीत में रुचि रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार होगा। कारोबार में भाग-दौड़ बढ़ेगी, परन्तु स्वास्थ्य के प्रति सचेत भी रहे।

वृश्चिक — संयत रहें। क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है।

धनु — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन अशान्त भी रहेगा। आत्मसंयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

मकर — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। कारोबार से लाभ में वृद्धि होगी।

कुंभ — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। फिर भी धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में सन्तुलित भी रहें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है।

मीन — आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत रहें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। पिता का साथ मिलेगा। किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है।

पेज एक के शेष

पीएससी की अनोखी...

सब नियमानुसार है। जो सरनेम की गलतफहमी है वे विवाद के बाद पति का नाम लगाने से पैदा हुआ है। हमने दस्तावेजों की जांच के बाद ही परिणाम घोषित किए हैं। पीएससी ने सिविल जज के 48 पदों के लिए यह परीक्षा आयोजित की थी। इसके लिए मुख्य परीक्षा 27 जून 2023 को आयोजित की गई थी। इसके परिणाम 17 अगस्त को ही जारी कर दिए गए थे, लेकिन आरक्षण संबंधित विवाद के कारण साक्षात्कार नहीं लिए जा सके।

मौजूदा वर्ष में 2 से 5 जनवरी और 8 से 11 जनवरी तक साक्षात्कार लिए गए। साक्षात्कार पूर्ण होने के साथ ही परिणाम जारी कर दिए गए। लिखित परीक्षाओं के परिणाम के आधार पर 152 कैंडिडेट्स का चयन साक्षात्कार के लिए किया गया था। इंटरव्यू में प्राप्त अंकों के आधार पर इन 152 कैंडिडेट्स के परिणाम जारी किए गए, जो अब वायरल है।

नंबर वन ट्रेंड करता...

का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि शनिवार को एक्स पर #सुशासन_का_एक_महीना नंबर वन ट्रेंड करता रहा। शपथ ग्रहण के बाद सरकार ने अपने जन घोषणा पत्र मोदी की गारंटी पर अमल शुरू कर दिया। पहले ही कैबिनेट में 18 लाख लोगों के लिए आवास बनाने का निर्णय लिया। 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती सुशासन दिवस के अवसर पर 12 लाख से अधिक किसानों को दो साल का बोनस दिया। इसके तहत प्रदेश के किसानों के खाते में 3700 करोड़ रुपए से ज्यादा राशि दी अंतरित की जा चुकी है। प्रति एकड़ 21 क्विंटल के मान से धान खरीदी की जा रही है। किसानों को अभी समर्थन मूल्य दर पर भुगतान हो रहा है। 3100 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से अंतर की राशि भी दी जाएगी। छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुरूप अंत्योदय एवं प्राथमिकता राशनकार्डधारी परिवारों को आगामी पांच वर्ष तक निःशुल्क खाद्यान्न वितरण जारी रखने का निर्णय लिया है। इससे राज्य के 67 लाख 92 हजार 153 राशनकार्डधारी परिवारों को राशन दुकानों से निःशुल्क चावल मिलेगा। सरकारी भर्तियों में पारदर्शिता के लिए राज्य सेवा परीक्षा-2021 के संबंध में प्राप्त शिकायतों की जाँच हेतु प्रकरण केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को भेजने का महत्त्वपूर्ण निर्णय भी सरकार ले चुकी है। छत्तीसगढ़ की पुरातन संस्कृति को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में राजिम कुंभ के भव्य आयोजन का निर्णय लिया है। प्रदेश के युवाओं को बेहतर शिक्षा, कौशल और रोजगार से जोड़कर सक्षम और स्वावलंबी बनाने की दिशा में अहम कदमों की शुरुआत हो चुकी है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, रोजगार आदि सभी क्षेत्रों में केंद्र सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन कर समाज के अंतिम पायदान में खड़े व्यक्तियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने और उनके जीवन में बदलाव लाने के प्रयास तेजी से किए जा रहे हैं।

कार के चैंबर से...

दौरान बरगढ़ ओड़िशा की ओर से एक सफेद रंग की कार क्रमांक डब्लूबी 08 सी 3900 को रोका गया, जिसमें तीन व्यक्ति सवार थे। उनके पूछताछ जारी थी तभी एक और लक्जरी कार क्रमांक एम एच 13 डीई 3330 को रोका गया, जिसमें दो व्यक्ति सवार थे। कार में सवार व्यक्तियों से जब पूछताछ की गई तो वे गोलमोल जबाब देने लगे।

पिछली सीट के...

76 लाख 86 हजार 400 रुपए) जब्त किया गया। कार से बरामद उक्त सोने के संबंध में जब कार सवारों से दस्तावेज मांगे गए तो उनसे कोई भी वैध दस्तावेज प्राप्त नहीं हुए।

सोने के साथ ...

डीआरआई को सौंप दिया गया है। उक्त कार्रवाई एसपी राजेश कुकरेजा के मार्गदर्शन, एएसपी आकाश राव व अनुविभागीय अधिकारी सरायपाली अभिषेक केसरी के निर्देशन में सिंघोड़ा प्रभारी अमित शुक्ला, साइबर सेल प्रभारी संतोष सिंह की टीम ने की।

कांग्रेस का डीएनए ही...

चाहिए। अपने तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंचे गिरिराज ने रायपुर पहुंचते ही विमानतल पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए 14 जनवरी से शुरू हो रही राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर कहा, राहुल गांधी को न्याय यात्रा की जगह ज्ञान यात्रा करनी चाहिए। किसी न किसी गांव में उन्हें किसी से ज्ञान जरूर मिलेगा। कांग्रेस के अयोध्या ना जाने पर श्री सिंह ने कहा, मंदिर संस्थान ने सोनिया गांधी को भी निमंत्रण भेजा है, लेकिन वह नहीं जा रही हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस हमेशा से ही हिंदू विरोधी रही है। उन्होंने कहा, कोई सूरज पर थूक फेंके तो थूक आदमी पर पड़ता है। कांग्रेस ने 70 साल तक लटकाने और भटकाने का काम किया। सनातन हिंदुओं के जागरण का समय है, जो जाएगा उसकी किस्मत अच्छी है। कांग्रेस की लोकसभा तैयारियों पर श्री सिंह ने कहा, पूरे देश में इस बार कांग्रेस ने जो काम किया है, उससे पूरे देश में उन्हें उम्मीदवार नहीं मिलेंगे, क्योंकि इस देश की पहचान सनातन हिंदुओं से है और कांग्रेस हिंदू विरोधी है। जो शिव, राम और कृष्ण का विरोधी हो, उन्हें चुनाव में कहां जगह मिलेगी।

मुख्यमंत्री से पहुना में मिले : केंद्रीय मंत्री ने पहुना में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात की। मुख्यमंत्री और भाजपा के विधायकों ने उनका स्वागत किया। इसी के साथ मुख्यमंत्री ने उनको स्मृति चिन्ह भी भेंट किया। इस अवसर पर डिप्टी सीएम विजय शर्मा, साजा के विधायक ईश्वर साहू, बेलतरा के विधायक सुशांत शुक्ला भी उपस्थित थे।

डहरिया बोले- कौन कब मंदिर जाएगा यह आस्था का विषय : गिरिराज सिंह के बयान पर पूर्व मंत्री शिव डहरिया ने कहा, गिरिराज सिंह तो मोदी जी से ज्ञान ले रहे हैं। भाजपा का धर्म और जाति के नाम पर प्रोपेगेंडा चल रहा है। धर्म व्यक्तिगत आस्था का विषय है। कौन और कब मंदिर में जाएगा, यह उसका व्यक्तिगत मामला है। योजनाओं पर कार्रवाई करने वाले सवाल पर श्री डहरिया ने कहा, जो जांच करनी है, करवा लें। कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में संचालित योजनाओं का लाभ सभी को मिला है। डीएनए में हिंदू विरोधी वाले बयान पर श्री डहरिया ने कहा, आरएसएस और भाजपा जाति और धर्म की राजनीति करते हैं। ऐसी राजनीति पहले अंग्रेज करते थे। यही राजनीति आज आरएसएस और भाजपा कर रही है।

भूपेश सरकार में सिर्फ...

में करोड़ों की रिकवरी कार्रवाई नहीं होने पर केंद्रीय मंत्री ने कहा, अभी पूछता हूं कि वो रिकवरी क्यों नहीं की गई। पूरे मामले की जांच होगी और दोषियों को जेल भेजेंगे। श्री सिंह ने कहा, छत्तीसगढ़ सरकार कैसे बेहतरी से काम करे, उसके लिए एक बैठक करेंगे।

ताइवान के राष्ट्रपति चुनाव में लाई चिंग-ते की जीत

ताइपे। ताइवान के राष्ट्रपति चुनाव में सत्तारूढ़ पार्टी के उम्मीदवार लाई चिंग-ते की जीत हुई है। ताइवान के राष्ट्रपति और संसदीय चुनाव के नतीजे अगले चार वर्षों में चीन के साथ संबंधों की दिशा तय करेंगे। चीनी मुख्य भूभाग और स्व-शासित द्वीप के बीच 110 मील के जल क्षेत्र की शांति और स्थिरता दांव पर है, जिस पर चीन अपना दावा करता है। चीन के साथ तनाव के अलावा चुनाव अर्थव्यवस्था में सुस्ती, आवास खरीदने की क्षमता, अमीर और गरीब के बीच बढ़ती खाई और बेरोजगारी जैसे घरेलू मुद्दों पर आधारित था।

अयोध्या जाने-आने वाली कई ट्रेनें 16 से 22 तक कैंसिल 35 ट्रेनों के रूट बदले

लखनऊ। अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के बाद रेल गाड़ियों में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ना तय है। इसी के मद्देनजर अयोध्या रेल खंड पर ट्रेनों की संख्या बढ़ाने से लेकर यात्री सुविधाएं मुहैया कराने की कवायद भी शुरू हो गई है। इसके पहले अयोध्या रेल खंड पर डबल रेल लाइन और इलेक्ट्रिक लाइन का काम शुरू हो गया है। इस वजह से आगामी दिनों में अयोध्या रूट की सभी ट्रेनें को 16 से 22 जनवरी तक रद्द रहेंगी। इनमें सात जोड़ी मेल, पैसेंजर और एक्सप्रेस ट्रेनें है। वहीं अयोध्या के रास्ते विभिन्न रेल खंडों से गुजरने वाली 35 ट्रेनें बदले रास्ते चलाई जाएगी।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर
NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY RAIPUR
(An Institute of National Importance)
G.E. Road, Raipur – 492010 (CG)
Phone: (0771) 225 4200 Fax: (0771) 225 46 00 Email: director.nitrr@rediffmail.com Website: www.nitrr.ac.in

ई-निविदा आमंत्रण सूचना
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर सिविल कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित करता है, जिसका विवरण निम्नानुसार है: Regarding mosquito jali door work in all D, E, F, G type and warden quarters of NIT Raipur (Second call).
Enquiry No.: NITRR/EE/EO/ETender/2024/0200 Raipur, Dated: 10-01-2024. जो की ई-निविदा के माध्यम से www.tenderwizard.com/NITR पोर्टल पर करना है। निविदा जमा करने कि अंतिम तिथि 06/02/2024, 18:00 बजे तक व निविदा खुलने की तिथि 08/02/2024, 16:00 बजे। फार्म व अन्य जानकारियाँ वेबसाइट www.nitrr.ac.in व www.tenderwizard.com/NITR से डाउनलोड की जा सकती है।
-सही-
कार्यपालन अभियंता
संपदा विभाग, एन.आई.टी., रायपुर
ASA

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर
NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY RAIPUR
(An Institute of National Importance)
G.E. Road, Raipur – 492010 (CG)
Phone: (0771) 225 4200 Fax: (0771) 225 46 00 Email: director.nitrr@rediffmail.com Website: www.nitrr.ac.in

ई-निविदा आमंत्रण सूचना
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर सिविल कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित करता है, जिसका विवरण निम्नानुसार है: Various Electrical works in VIP Guest House NIT Raipur (First call).
Enquiry No.: NITRR/EE/EO/ETender/2024/0199 Raipur, Dated: 09-01-2024. जो की ई-निविदा के माध्यम से www.tenderwizard.com/NITR पोर्टल पर करना है। निविदा जमा करने कि अंतिम तिथि 16/01/2024, 18:00 बजे तक व निविदा खुलने की तिथि 18/01/2024, 16:00 बजे। फार्म व अन्य जानकारियाँ वेबसाइट www.nitrr.ac.in व www.tenderwizard.com/NITR से डाउनलोड की जा सकती है।
-सही-
कार्यपालन अभियंता
संपदा विभाग, एन.आई.टी., रायपुर
ASA

SHRI SHANKARACHARYA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES & HOSPITAL
(Managed by Shri Gangajali Education Society, Bhilai)
JUNWANI, BHILAI - 490 020 (CHHATTISGARH), INDIA
Phone: 0788-4088866, 4088855, 9340407798 Fax: 0788-2298606
Website: www.ssimsb.ac.in, E-mail: hr@ssimsb.ac.in
APPOINTMENT
Applications are invited for experienced Duty Medical Officer & Staff Nurse in various departments of Shri Shankaracharya Hospital Junwani, Bhilai. Walk-in interview on 15/01/2024 to 31/01/2024 from 09:00 am to 12:00 noon onwards at conference hall of SSIMS, Junwani, Bhilai C.G. along with resume & supportive original documents.

S.No	Designation	Experience	No. of Vacancies
1	Staff Nurse	2-5 years	150
2	Doctor Incharge ICU	MBBS More Than 5 year in ICU	5
3	Duty Doctors	MBBS/BAMS	20

Salary - Negotiable
Apply immediately to Email - hr@ssimsb.ac.in
Dean SSIMS

आवश्यकता है।
हरिभूमि

पद	पदनाम
12	डेव्लपमेंट सहायक
वेतन	15000+3000

योग्यता - स्नातक, स्वयं का वाहन होना आवश्यक है।
उम्र - 25 से 35 वर्ष
सम्पूर्ण बायोडाटा एवं आधार कार्ड के साथ युवक/युवती दिनांक 17/02/2024 तक
समय - शाम 5:00 बजे तक कार्यालय में जमा करें।
हरिभूमि कार्यालय, धमतरी रोड, टिकरापारा, रायपुर
Gmail:- cir.haribhoomi@gmail.com

HMS साईटिका तेल
शिव सायटिका
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अद्धांगवात, अस्थिभ्रमण, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
HMS देखकर खरीदें
असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिए।
94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सिंघानिया स्किन केयर — Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झाई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
36, प्रथम तल, गुरुकुल कॉम्प्लेक्स, कालीबाड़ी, रायपुर 8223883311
मो. 9827000035, 0771-4020411, www.makeoverraipur.com
Email:bsinghania111@yahoo.co.in

सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्पलेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मनोरोग, नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीघ्र पतन
कार्यरत 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बजेरात में

अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियलिटी सेन्टर)
डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770, 9329004557, 9303724304
17, गुरुकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर,
समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.)
7987225800, 9301744425

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508133

शब्द पहेली - 5394

बाएँ से दाएँ
1.नेमत,वर,ईष्टकृपा -4
3.उद्देश्य,ध्येय-4
8.सयाना,चतुर-4,3
10.मनुष्य-3
11.मोल,दाम-3
13.बैठने का स्थान-3
15.दौड़ना (अंग्रेजी-2)
17.पराजित-2
18.वध,कत्ल-2
19.काव्यकार,शायर-2
21.राशिचक्र की दसवीं राशि-3
25.आक्रमण,प्रहार-3
26.पालतू जानवर-3
27.ईश्वर,भगवान-7
30.ईश्वरीय कृपा-4
31.भयभीत होना, डरना-4

ऊपर से नीचे
2.असुर,दैत्य-3
4.गागर,घड़ा-3
5.मन की करना-4
6.प्रार्थना,ईश वंदना-4
7.चरित्र,ईमान-3
8.कार्यविधि-3
9.रेखा,लाईन-3
12.माला का मोती-3
13.राहत,विश्राम-3
14.कैनाल,उपनदी-3
16.नगद राशि-3
20.रुदन -3
22.पक्षियों का शोर-4
23.मध्यांग, कटि-3
24.12 राशियों का समूह-4
25.महल,बड़ा भवन-3
28.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
29.अदृश्य, जो दिखाई न दे-3

शब्द पहेली- 5393 का हल

स	ज	दा	क	र	ना	■	म	त	वा	ला
ह	रा	■	त	■	का	म	ना	■	दा	वा
न	■	बे	र	ह	म	■	ना	रा	■	रि
शी	ल	वा	न	■	या	द	■	नी	र	स
ल	■	प	■	ख	ब	र	ची	■	न	■
ता	र	न	हा	र	■	का	न	भ	र	ना
■	म	■	र	ह	ब	र	■	यं	■	प
प्र	ण	य	■	रा	हु	■	ब	क	वा	स
ति	■	दा	स	■	बे	क	रा	र	■	न्द
का	न	■	चि	रा	ग	■	म	■	क	हो
र	म	जा	न	■	म	द	द	क	र	ना

सूडोकु नवताल - 5404

★★★★☆ कठिन

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5403 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

वर्किंग महिलाओं के लिए बेस्ट इन्वेस्टमेंट स्कीम

सुझाव | बिजनेस डेस्क

देश में लगातार कामकाजी महिलाओं का संख्या बढ़ती जा रही है। ऐसे में महिलाओं को भी अपना पैसा बढ़ाने के लिए निवेश पर फोकस करना चाहिए, ताकि उन्हें अच्छा ब्याज मिल सके और वे भी पुरुषों की भांति अमीर हो सकें। अक्सर देखने में आता है कि ज्यादातर महिलाएं अपना पैसा घर पर ही बचाकर रखती हैं, जिसका कोई ब्याज नहीं मिलता है। अगर इन पैसों को किसी सही जगह इन्वेस्ट किया जाए तो न सिर्फ पैसा सुरक्षित रहेगा, बल्कि अच्छा मुनाफा भी कमा सकेंगी। आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने और वित्तीय सुरक्षा के लिए सिर्फ कमाना ही काफी नहीं है, बल्कि इन्वेस्टमेंट करना भी जरूरी है। अगर आप भी कामकाजी महिला हैं तो निवेश के बेस्ट विकल्पों से जुड़ी जरूरी बातें आपको पता होनी ही चाहिए।

गोल्ड में निवेश

कहते हैं कि महिलाओं को अपनी रसोई और सोना सबसे प्यारा होता है। पुराने समय से ही महिलाएं गोल्ड में निवेश करती आ रही हैं। सोने में निवेश के आप फिजिकल, डिजिटल गोल्ड, गोल्ड बॉन्ड और गोल्ड ईटीएफ जैसे कई विकल्प के जरिये इन्वेस्ट करके मुनाफा कमा सकते हैं। वर्तमान में डिजिटल गोल्ड जैसे विकल्पों ने गोल्ड इन्वेस्टमेंट को और अधिक सेफ और आसान बना दिया है। गोल्ड में इन्वेस्ट कर आप अच्छा मुनाफी कमा सकते हैं।

म्यूचुअल फंड

वैसे तो शेयर बाजार में निवेश करके अच्छा रिटर्न कमाया जा सकता है, लेकिन इसमें हाई रिस्क रहती है। यदि आप थोड़े कम जोखिम के साथ निवेश प्लान लेना चाहते हैं तो आपके लिए म्यूचुअल फंड एसआईपी बेहतर विकल्प साबित होगा। अगर आप लंबे समय के लिए इन्वेस्ट करना चाहते हैं तो बता दें कि एसआईपी आपके लिए बेहतर ऑप्शन है, क्योंकि यह किफायती होने के साथ-साथ आसान भी है। इसमें हर महीने निवेश कर महिलाएं अच्छा मुनाफा कमा सकती हैं। यह निवेश का सबसे सुरक्षित और किफायती जरिया भी माना जाता है। आजकल देश में इसकी डिमांड भी बढ़ रही है।

डेट फंड

डेट फंड असल में म्यूचअल फंड ही होता है, जो बिना जोखिम उठाए एफडी से ज्यादा रिटर्न देते हैं। फिक्स्ड डिपॉजिट का समय पूरा होते ही डेट फंड आपको फिक्स्ड रेट पर अच्छा खासा रिटर्न देते हैं। मौजूदा वक्त में डेट फंड में 6% से 8% का ब्याज मिल रहा है। इसमें महिलाएं मिनिमम 500 रुपये से एसआईपी शुरू कर सकती हैं।

नेशनल पेंशन स्कीम

भारत सरकार की रिटायरमेंट स्कीम में निवेश करके वर्किंग वूमन बुढ़ापे के लिए पेंशन फंड इकट्ठा कर सकती हैं। सरकार ने पेंशन की कई योजनाएं चलाई है, जिसमें राष्ट्रीय पेंशन योजना भी शामिल है, जिसमें निवेश करके पैसा सुरक्षित रख सकते हैं। एनपीएस के जरिये कॉर्पोरेट बॉन्ड, इक्विटी, लिक्विड फंड शामिल हैं।

हेल्थ इंश्योरेंस

यह अक्सर कहा जाता है कि सबसे अच्छा निवेश जो हम कर सकते हैं वह हमारे स्वास्थ्य में है। यह आपके परिवार के साथ-साथ आपके स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण है। फाइनेंशियल प्रोटेक्शन हेल्थ इंश्योरेंस किसी भी गंभीर बीमारी में लगने वाले हाई कॉस्ट को कवर करके वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है। हेल्थ इंश्योरेंस की मदद से हम अचालक से आने वाले वित्तीय संकट से बच सकते हैं।

जरूरत पड़ने कर्ज लेने में कोई हर्ज नहीं होता, क्योंकि इसके बिना आपके कई बार काम रुक जाते हैं। लेकिन कर्ज कोई भी हो, उसकी ईएमआई को नियमित रूप से चुकाने पर हमेशा ध्यान देना चाहिए। कर्ज के भुगतान में लापरवाही बरतना लंबे अरसे में आपकी फाइनेंशियल हेल्थ के लिए बेहद नुकसानदेह हो सकता है और आप धीरें-धीरे कर्ज के मकड़जाल में फंस जाएंगे। इसलिए ध्यान रखें ज्यादा जरूरत पड़ने पर ही लोन लें और उसे समय से चुकाएं भी। एक लोन उतारने के लिए दूसरा लोन न लें, वरना बोझ बढ़ता जाएगा।

समय पर चुकाएं लोन, वरना घेर लेगा कर्ज का 'मकड़जाल'

जरूरत पड़ने पर कर्ज लेने में कोई हर्ज नहीं है लेकिन ऐसा करते समय कुछ बातें पल्ले बांध लें ताकि आपको आगे चलकर पछताना न पड़े

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

अचानक कोई जरूरत पड़ जाए या घर, कार जैसी महंगी चीजें खरीदनी हों, तो लोन सभी लेते हैं। नई तकनीक के इस्तेमाल ने तो कर्ज लेना पहले से काफी आसान बना दिया है। लिहाजा, लोग भी आसान क्रेडिट की इस सुविधा का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर करने लगे हैं। जरूरत पड़ने कर्ज लेने में कोई हर्ज नहीं होता, क्योंकि इसके बिना आपके कई बार काम रुक जाते हैं, लेकिन कर्ज कोई भी हो, उसकी ईएमआई को नियमित रूप से चुकाने पर हमेशा ध्यान देना चाहिए। कर्ज के भुगतान में लापरवाही बरतना लंबे अरसे में आपकी फाइनेंशियल हेल्थ के लिए बेहद नुकसानदेह हो सकता है और आप धीरें-धीरे कर्ज के मकड़जाल में फंस जाएंगे। इसलिए ध्यान रखें ज्यादा जरूरत पड़ने पर ही लोन लें और उसे समय से चुकाएं भी। एक लोन उतारने के लिए दूसरा लोन न लें, वरना बोझ बढ़ता जाएगा और एक समय ऐसा आएगा कि आप उससे उभर नहीं पाएंगे। कर्ज लेते समय या उसे चुकाने के दौरान कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है, ताकि आगे चलकर आपको कोई परेशानी न हो। हम यहां आपको ऐसी ही कुछ बातों के बारे में बताएंगे, जिन पर अमल करके आप अपने लोन लेने और चुकाने के अनुभव को किसी मुसीबत में तब्दील होने से बचा सकते हैं।

कर्ज उतना ही लें, जितना चुका सकें

आपको कर्ज हमेशा उतना ही लेना चाहिए, जितना आप आसानी से चुका सकते हों। लोन भले ही कितनी भी आसानी से मिल रहा हो, लेकिन आखिर वो है तो कर्ज ही, जिसे आपको देर-सबेर चुकाना ही होता है। इसलिए अपनी रीपेमेंट की क्षमता से ज्यादा कर्ज लेने से बचना चाहिए। अगर आपकी आमदनी का बड़ा हिस्सा कर्ज की किस्तें (ईएमआई) चुकाने में चला जाएगा, तो आपकी सारी फाइनेंशियल प्लानिंग बिगड़ने का खतरा है। आमतौर पर माना जाता है कि आपकी होमलोन की ईएमआई आपकी मंथली इनकम के 35-40 फीसदी से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। वहीं, कार लोन या पर्सनल लोन की ईएमआई का हिस्सा आपकी मासिक आय के 10 फीसदी से भी कम रहे तो ही बेहतर है।

कर्ज की अवधि कम से कम रखें

कर्ज लेने का फैसला करते समय अक्सर लोग ये देखते हैं कि उसकी ईएमआई कितनी बनेगी और ऐसा करना बिलकुल सही भी है, लेकिन गलती तब हो जाती है, जब क्षमता से ज्यादा लोन लेने के चक्कर में लोग कर्ज की अवधि बढ़ाकर ईएमआई कम करने की कोशिश करते हैं, लेकिन कर्ज की रकम और ब्याज दर अगर बराबर है तो ईएमआई कम रखने के लिए लोन की अवधि बढ़ाना हमेशा समझदारी भरा फैसला नहीं होता। ऐसा करते समय यह ध्यान में रखना चाहिए कि कर्ज चुकाने में आप जितना ज्यादा वक्त लगाएंगे, ब्याज का बोझ उतना ही बढ़ता जाएगा। होम लोन जैसे कर्ज के मामले में अगर आप शुरुआत में अपनी कम इनकम के कारण ज्यादा अवधि का चुनाव कर भी लेते हैं, तो भी आगे चलकर ईएमआई बढ़ाने की कोशिश करें, ताकि लोन को कम से कम समय में चुकाया जा सके। अगर आपके कई लोन चल रहे हैं, तो सबसे पहले उस लोन को निपटाने की कोशिश करें, जिसकी ब्याज दर सबसे ज्यादा है।

बेहतर ब्याज दर की तलाश जारी रखें

होम लोन जैसे लंबी अवधि के कर्ज लेकर भूल न जाएं। अगर आपको होम लोन पर काफी ऊंची ब्याज दर चुकानी पड़ रही है, तो उसे कम करवाने की कोशिश करें। खासतौर पर अगर आपके लोन लेने के बाद बाजार में ब्याज दरों में नरमी आई है, तो आपको उसका लाभ उठाने की कोशिश जरूर करनी चाहिए। इसके लिए सबसे पहले आपको अपने मौजूदा बैंक या एनबीएफसी से बात करके देखना चाहिए। अगर इससे बात न बने, तो दूसरे बैंकों से संपर्क करके लोन का बैलेंस ट्रांसफर करने पर विचार करना चाहिए। लंबी अवधि के लोन की ब्याज दर में आई थोड़ी भी कमी ब्याज के बोझ को काफी कम कर सकती है। कर्ज कोई भी हो, उसकी ईएमआई को नियमित रूप से चुकाने पर हमेशा ध्यान देना चाहिए। कर्ज के भुगतान में लापरवाही बरतना लंबे अरसे में आपकी फाइनेंशियल हेल्थ के लिए बेहद नुकसानदेह हो सकता है, क्योंकि ऐसा करने पर आपको जुर्माने के तौर पर एक्स्ट्रा पेमेंट करना पड़ सकता है या ज्यादा ब्याज देना पड़ सकता है। इससे आपका क्रेडिट प्रोफाइल और सिबिल स्कोर भी बिगड़ जाता है, जिसके कारण आपको आगे चलकर और भी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

शौक, फिजूलखर्ची के लिए कर्ज लेने से बचें

एक बात हमेशा याद रखें। कर्ज लेना तभी वाजिब है, जब आप किसी जरूरी काम के लिए ऐसा कर रहे हों। सिर्फ किसी महंगे शौक या फिजूलखर्ची के लिए या फिर कर्ज लेने में जरा भी समझदारी नहीं है। इसी तरह शेयर मार्केट जैसे उतार-चढ़ाव वाले निवेश के लिए कर्ज लेना भी सही नहीं है। इसके लिए तो आपको अपने एक्स्ट्रा फंड का ही इस्तेमाल करना चाहिए। लोन लेना तभी वाजिब है, जब उसका इस्तेमाल आप किसी जरूरत के लिए कर रहे हों। मिसाल के तौर पर महानगर में रहने वाले लोगों के लिए कार जरूरत की चीज हो सकती है, लेकिन अगर आपका काम किसी सामान्य कार से चल सकता है, तो क्षमता से बाहर होने पर भी सिर्फ दिखावे के लिए ज्यादा कर्ज लेकर महंगी लग्जरी कार खरीदना समझदारी भरा फैसला नहीं हो सकता।

जिसने लगाया पैसा उसकी हो गई बल्ले-बल्ले, इंडेक्स म्यूचुअल फंड में कर सकते हैं निवेश

पिछले साल 10 इंडेक्स फंड ने दिया मुनाफा

जानकारी | बिजनेस डेस्क

"भारत में भी म्यूचुअल फंड अब लोकप्रिय हो रहे ■ म्यूचुअल फंड की कई कैटेगरी, दे रही मुनाफा ■ अच्छा रिटर्न भी निवेशकों को खूब लुभा रहा ■ कुछ फंड्स का रिटर्न तो 47 से 60% तक रहा ■ इंडेक्स को पेसिव फंड के नाम से भी जाना जाता है"

साल 2023 में इंडेक्स फंड में पैसा लगाने वालों की मौज हो गई है। इस साल 10 इंडेक्स फंड ने तो छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। कुछ फंड्स का रिटर्न तो 47 फीसदी से लेकर 60 फीसदी तक रहा है। यह रिटर्न एफडी और पीएफ जैसे परंपरागत निवेश विकल्पों से कई गुना ज्यादा है। इंडेक्स फंड में जोखिम कम माना जाता है, इन्हें पेसिव फंड भी कहा जाता है। इनमें भी निवेशक अन्य म्यूचुअल फंड की तरह एसआईपी के जरिए पैसा ला सकते हैं। इंडेक्स फंड किसी न किसी इंडेक्स को ट्रैक करते हैं। जैसे निफ्टी मिडकैप 50 इंडेक्स फंड, निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड या निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स फंड। किसी भी इंडेक्स फंड में लगाए गए पैसे, उस खास इंडेक्स में शामिल कंपनियों में ही डाले जाते हैं। इंडेक्स फंड का टोटल एक्सपेंस रेशियो एक्टिव फंड्स के मुकाबले काफी कम रहता है।

मिला शानदार रिटर्न

साल 2023 में बाजार में शानदार तेजी की वजह से इस बार म्यूचुअल फंड निवेशकों को भी अच्छा रिटर्न मिला है। इस रिपोर्ट में हम आपको उन इंडेक्स म्यूचुअल फंड्स के बारे में बताएंगे, जिन्होंने पिछले 1 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) की डेटा से ऐसे 10 फंड्स को चुना है, जिनका एसेट अंडर मैनेजमेंट कम से कम सौ करोड़ रुपये से ज्यादा है।

इन फंड्स ने की धनवर्षा

पहला

आदित्य बिरला सन लाइफ निफ्टी स्मॉलकैप 50 इडेक्स फंड है। इस फंड के रेगुलर प्लान का सालाना रिटर्न 60.60 फीसदी तो डायरेक्ट प्लान का रिटर्न 61.56 फीसदी रहा है।

दूसरा

एक्सिस निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स फंड का दूसरा नंबर है। इस फंड के रेगुलर प्लान ने 60.25 फीसदी तो डायरेक्ट प्लान ने 61.45 फीसदी रिटर्न पिछले एक साल में दिया है।

तीसरा

मोतीलाल ओसवाल एसएंडपी बीएसई इनहांस्ड वैल्यू इंडेक्स फंड के रेगुलर प्लान में निवेश करने वाले निवेशकों को 60.13 फीसदी और डायरेक्ट प्लान में पैसा लगाने को एक साल में 61.21 फीसदी रिटर्न मिला है।

चौथा

आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल नैस्डेक 100 इंडेक्स फंड का एक साल का रिटर्न 56.47% (रेगुलर), 57.25% (डायरेक्ट) रहा है।

पांचवां

एडलवाइज निफ्टी मिडकैप 150 मोमेंटम 50 इंडेक्स फंड के रेगुलर प्लान का 1 साल का रिटर्न 50.99 फीसदी और डायरेक्ट प्लान का रिटर्न 52.08% रहा है।

छठा

टाटा निफ्टी मिडकैप फंड 150 मोमेंटम 50 इंडेक्स फंड का सालभर का रिटर्न 49.29 फीसदी और डायरेक्ट प्लान का 50.48 फीसदी रहा है।

सातवां

एक्सिस निफ्टी मिडकैप 50 इंडेक्स फंड के रेगुलर प्लान ने साल में 47.95% व डायरेक्ट प्लान ने 49.06% रिटर्न दिया है।

आठवां

मोतीलाल ओसवाल निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड के रेगुलर प्लान का रिटर्न 47.15 फीसदी तो डायरेक्ट प्लान का 48.17 फीसदी रहा

नौवां

एसबीआई निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड के रेगुलर प्लान का रिटर्न 47.17 फीसदी तो डायरेक्ट का 48.06 फीसदी रहा है।

दसवां

निप्पॉन इंडिया निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड ने भी निवेशकों को एक साल में बंपर मुनाफा दिया है। इसके रेगुलर प्लान का साल का रिटर्न 46.94% और डायरेक्ट प्लान का रिटर्न 47.92 फीसदी रहा है।

शेयर बाजार में फिर गिरावट का दौर, ऐसे में क्या करें निवेशक

बिजनेस डेस्क

नए साल में शेयर बाजार में निवेशक गिरावट ही देख रहे हैं। बाजार कल गिरावट के साथ बंद हुआ था। मुख्य रूप से बैंक और आईटी शेयरों में मुनाफावसूली और विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी से बाजार नुकसान में रहा था। कल तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 379.46 अंक यानी 0.53 प्रतिशत की गिरावट के साथ 71,892.48 अंक पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान एक समय यह 658.2 अंक तक लुढ़क गया था। ऐसे में अधिकतर नए और रूढ़िवादी निवेशक 100% स्टॉक मार्केट एक्सपोजर से जुड़े जोखिमों, जैसे अनस्टेबिलिटी और डायवर्सिफिकेशन की कमी के बारे में चिंता करते हैं। इसलिए, ऐसे निवेशकों के लिए एक आदर्श विकल्प हाइब्रिड इनवेस्टमेंट सोल्यूशन तलाशना होता है।

क्या होता है हाइब्रिड म्यूचुअल फंड

आक्रामक हाइब्रिड म्यूचुअल फंड में इक्विटी और डेट का मिश्रण होता है। इसी वजह से यह निवेशकों की पूंजी में बढ़ोतरी तो करता ही है, उसे सुरक्षा का संतुलन भी प्रदान करता है। गोल्स फाइनेंशियल के पार्टनर दीपक महाडिक का कहना है कि हाइब्रिड म्यूचुअल फंड निवेशकों को सर्वश्रेष्ठ प्रदान करते हैं। निवेश की दुनिया में यह जीत का समीकरण हाइब्रिड निवेश के रूप में सामने आता है। आक्रामक हाइब्रिड फंडों का अनोखा प्रस्ताव यह है कि वे निवेश को दो परिसंपत्ति वर्गों - इक्विटी और डेट में फैलाते हैं। ये फंड 65-80% तक इक्विटी में निवेश करते हैं, जिससे उच्च विकास के पर्याप्त अवसर मिलते हैं। इसके विपरीत, इक्विटी सेगमेंट में अत्यधिक अस्थिरता या कम प्रदर्शन की अवधि के दौरान डेट घटक एक कुशन के रूप में कार्य करता है।

रिस्क फैक्टर कितना

आक्रामक हाइब्रिड फंड मध्यम जोखिम क्षमता वाले निवेशकों की जरूरतों को पूरा करते हैं और विकास और स्थिरता के बीच संतुलन बनाते हैं। महाडिक के मुताबिक, इक्विटी और ऋण दोनों घटकों को शामिल करने से जोखिम और अस्थिरता को प्रभावी ढंग से कम किया जा सकता है, जो कि इक्विटी फंडों में अनुपस्थित है। यह विविध दृष्टिकोण उच्च रिटर्न की संभावना को बनाए रखते हुए एक स्थिर निवेश वातावरण प्रदान करके निवेशकों के विश्वास को बढ़ाता है, जिससे आक्रामक हाइब्रिड फंड अपने निवेश पोर्टफोलियो में मापा जोखिम जोखिम चाहने वालों के लिए एक आकर्षक विकल्प बन जाते हैं।

इस समय क्यों हो रही है इसकी चर्चा

आक्रामक हाइब्रिड फंड आज विशेष रूप से प्रासंगिक हैं। ऐसे समय में जब शेयर बाजार का मूल्यांकन विशेष रूप से सस्ता नहीं होता है। आक्रामक हाइब्रिड फंडों में पोर्टफोलियो पुनर्संतुलन में पूर्व निर्धारित सीमा के भीतर परिसंपत्ति आवंटन को पुनः व्यवस्थित करना शामिल है। आंकड़े बताते हैं कि एक दिसंबर, 2023 तक, आक्रामक हाइब्रिड फंड श्रेणी ने 13.7% (1 वर्ष में), 16.2% (3 वर्ष), 13.1% (5 वर्ष), और 13.8% (10 वर्ष में) का औसत रिटर्न दिया है। इस श्रेणी में हर समय-सीमा में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वालों में से एक आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इक्विटी और डेट फंड रहा है।

बिजनेस साइट

सिंघानिया बिल्डकॉन : 'अभी नही तो कभी नहीं' ऑफर के तहत प्रीमियम फ्लैट्स किफायती कीमत पर

रायपुर। रियल एस्टेट सेक्टर में देश और छत्तीसगढ़ के सबसे भरोसेमंद ब्रांड सिंघानिया बिल्डकॉन ग्रुप की ओर से राजधानी रायपुर के प्राइम लोकेशन में पूर्ण रूप से विकसित हर्षित लैंडमार्क, हर्षित गोल्ड सिटी, हर्षित हार्मोनी और हर्षित भूमि में अपने ग्राहकों के लिए 'अभी नहीं तो कभी नहीं' ऑफर लॉन्च किया गया है। जिसमें फ्री रजिस्ट्री, फ्री नामांकन सहित कई आकर्षक स्कीम का लाभ दिया जा रहा है। सिंघानिया बिल्डकॉन सारे प्रोजेक्ट रेरा पंजीयन के साथ ग्राहकों के लिए फायदा का सौदा साबित हो रहे हैं। हर्षित लैंडमार्क, हर्षित गोल्ड सिटी, हर्षित हार्मोनी और हर्षित भूमि में हजारों परिवार आकर्षक स्कीम का लाभ लेकर अपने परिवार के साथ सूकून की जिंदगी गुजार रहे हैं। बता दें कि हर्षित लैंडमार्क, हर्षित गोल्ड सिटी, हर्षित हार्मोनी और हर्षित भूमि में निवास करने वाले परिवारों के लिए 24 घंटे पानी की सुविधा, स्ट्रीटलाइट, प्राकृतिक हरियाली से भरे गार्डन, टेम्पल, स्वीमिंग पूल, गाजिबो, कवर्ड बाउंड्रीवॉल के साथ 24 घंटे सिक्यूरिटी की सुविधा दी जा रही है।

बच्चों के अस्पताल 'ब्लू-बर्ड चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल' का उद्घाटन आज

रायपुर। रायपुर में बच्चों के एक नए सुपरस्पेशलिटी अस्पताल का उद्घाटन समारोह का आयोजन 14 जनवरी को किया जा रहा है। इस समारोह में मुख्य अतिथि राज्य के कैबिनेट मंत्री बृजमोहन अग्रवाल रहेंगे। जो अस्पताल का लोकार्पण अपने कर कमलों द्वारा करेंगे। इस अस्पताल का नाम 'ब्लूबर्ड चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल' रखा गया है। यह अस्पताल रायपुर के विधानसभा रोड पर स्थित है। यह 100 बेड का सर्व-सुविधायुक्त सुपरस्पेशलिटी बच्चों का अस्पताल है और बाल चिकित्सा से संबंधित सभी प्रकार के उच्च स्तरीय उपचार प्रदान करेगा। अस्पताल में आपातकालीन सेंटर, एनआईसीयू, पीआईसीयू बच्चों के लिए विशेष ऑपरेशन थियेटर सहित समस्त सुविधाएं उपलब्ध हैं। इस अस्पताल में पहली बार बच्चों के विशेष सुविधाएं जैसे कि पूर्णकालिक शिशु रोग सर्जरी, ट्रामा सेंटर, बच्चों के हृदय रोगों की जांच व उपचार, बच्चों के एलर्जी व अस्थमा, चाइल्ड डेवलपमेंट विभाग इत्यादि उपलब्ध कराई जाएंगी। ब्लूबर्ड चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. ममता लालवानी, डॉ. आलोक अग्रवाल और डॉ. शिल्पा भार्गव ने कहा कि यह अस्पताल बच्चों के लिए एक अत्याधुनिक अस्पताल होगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल में सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध हैं, और यह बच्चों को सर्वोत्तम संभव देखभाल प्रदान करेगा।

कैबिनेट मंत्री ओपी चौधरी ने एरीज एग्रो लिमिटेड के ड्रोन की तकनीक को सराहा

रायपुर। कीटनाशक उद्योग की अग्रणी कंपनी एरीज एग्रो लिमिटेड सूक्ष्म पोषक तत्व एवं चिलेट्स बनाने वाली देश की बड़ी कंपनी है। कंपनी ने खपरी कुम्हारी मे आयोजित किसान मेला में अपना स्टॉल लगाया हुआ है। बता दें कि किसान मेला 12 और 13 जनवरी को ग्राम खपरी कुम्हारी जिला दुर्ग में छत्तीसगढ़ युवा प्रगतिशील किसान संघ द्वारा आयोजित किया गया। जिसका उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं कृषि मंत्री राम विचार नेताम के द्वारा किया गया। इस अवसर पर राज्य के कैबिनेट मंत्री ओपी चौधरी भी उपस्थित थे जिन्होंने एरीज एग्रो के स्टाल पर भी विजिट किया। जिसमें उन्होंने एरीज कि भू-परीक्षण किट के बारे में जानकारी ली तथा एरीज के ड्रोन के बारे में जानकारी लेते हुए उसको चला कर भी देखा और उसका वीडियो उन्होंने अपनी सोशल मीडिया साइट पर पोस्ट भी किया। इस मौके पर एरीज एग्रो के वाइस प्रेसिडेंट डीके तिवारी एवं डीलर मितुल कोठारी भी मौजूद रहे।

श्रृंखला जीतने उतरेगा भारत, कोहली की होगी वापसी, अफगान के खिलाफ टी20 आज

एजेंसी ⏭ इंदौर

अफगानिस्तान के खिलाफ श्रृंखला में जीत को अब भी क्रिकेट की बड़ी उपलब्धियां में नहीं गिना जाएगा। लेकिन भारत के कुछ खिलाड़ी रविवार को यहां होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में इसे हासिल करने के लिए बेताब होंगे, ताकि वह टीम में अपनी जगह पक्की करने के लिए दावा मजबूत कर सकें। भारत ने मोहाली में खेले गए पहले मैच में 6 विकेट से जीत दर्ज करके तीन मैच की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बनाई।

ऐसे में जितेश शर्मा, वाशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल जैसे खिलाड़ियों के लिए यह अनिवार्य हो गया है कि वह अफगानिस्तान के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करके चयनकर्ताओं की नजर में बने रहें जिनका लक्ष्य टी20 विश्व कप के लिए अदद टीम का चयन करना है। भारतीय टीम को जून में होने वाले विश्व कप से पहले कोई अन्य टी20 श्रृंखला नहीं खेली है और ऐसे में अफगानिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन काफी मायने रखता है।

युवा अच्छा प्रदर्शन कर खीचेंगे चयनकर्ताओं का ध्यान

तिलक को मौका मिलना मुश्किल

तिलक वर्मा का मामला भी ऐसा ही है। उन्होंने पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैच की श्रृंखला में 39, 51 और नाबाद 49 रन बनाकर शानदार शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद वह अगली 13 पारियों में केवल एक अर्धशतक लगा पाए। इस 21 वर्षीय बल्लेबाज के लिए यह आंकड़े पर्याप्त नहीं होंगे और उन्हें बड़ी पारी खेलने की जरूरत है। हालांकि यह देखना होगा कि वह अंतिम एकादश में जगह बना पाते हैं कि नहीं क्योंकि स्टार बल्लेबाज विराट कोहली पहले मैच में नहीं खेल पाने के बाद इस मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे।

टीम इस प्रकार है

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा, संजू सैमसन, शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, आवेश खान, मुकेश कुमार।

अफगानिस्तान: इब्राहिम जादरान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, इकराम अलीखिल, हजरतुल्लाह जजई, रहमत शाह, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, करीम जनत, अजमतुल्लाह उमरजई, शराफुद्दीन अशरफ, मुजीब उर रहमान, फजलहक फारुकी, फरीद अहमद, नवीन उल हक, नूर अहमद, मोहम्मद सलीम, क्रैस अहमद, गुलबदीन नायब, राशिद खान।

अक्षर टेस्ट के लिए तैयार

चोटिल होने के कारण वनडे विश्व कप में नहीं खेल पाने वाले अक्षर अब सीमित ओवरों ही नहीं बल्कि टेस्ट मैचों में खेलने के लिए भी तैयार है। बाएं हाथ के इस स्पिनर के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ मोहाली में पहले टी20 मैच में 23 रन दे कर दो विकेट लिए थे। वह अगले मैच में भी अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

विकेटकीपर जितेश ने किशन को पीछे छोड़ा

जितेश ने ईशान किशन को पीछे छोड़कर विकेटकीपर बल्लेबाज की दौड़ में खुद को आगे कर दिया है। उन्होंने निचले मध्यक्रम में कुछ उपयोगी पारियां खेली हैं और वह अपना दावा पक्का करने के लिए बड़ी पारियां खेलने की कोशिश करेंगे।

अफगानिस्तान के पास प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद

भारतीय टीम अफगानिस्तान को हल्के से लेने की गलती नहीं करेगी क्योंकि उसके पास कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। युवा रहमानुल्लाह गुरबाज़, अज़मतुल्लाह उमरज़ई और अनुभवी मोहम्मद नबी किसी भी तरह के गेंदबाजी आक्रमण को तहस नहस करने की क्षमता रखते हैं। गेंदबाजी विभाग में स्टार स्पिनर राशिद खान की अनुपस्थिति के बावजूद अफगानिस्तान के पास मुजीब उर रहमान जैसा उपयोगी स्पिनर है। तेज गेंदबाजी विभाग में नवीन उल हक और फजलहक फारूकी अच्छी भूमिका निभा रहे हैं।

हॉकी : सात पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील नहीं कर सकी महिला टीम

भारत को ओलंपिक क्वालीफायर में अमेरिका से 0–1 से मिली हार

एजेंसी ⏭ रांची

भारतीय टीम शनिवार को यहां एफआईएच महिला ओलंपिक क्वालीफायर के शुरुआती मैच में कई मौके गंवाकर निचली रैंकिंग पर काबिज अमेरिका से 0-1 से हार गई। विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज भारतीय टीम ने दबदबा बनाया और गोल करने के कई मौके बनाए लेकिन अमेरिका के डिफेंस को तोड़ने में असफल रही।

भारत ने सात पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। विश्व रैंकिंग में 24वें स्थान पर काबिज अमेरिका ने पूल बी के इस मैच के 16वें मिनट में अबीगैल टैमर के बदौलत मैच का एकमात्र गोल किया। इस हार से भारत की पेरिस ओलंपिक की राह और कठिन हो जाएगी क्योंकि अगले मुकाबलों में उसका सामना मजबूत टीम से होगा। भारत अब रविवार को न्यूजीलैंड से जबकि अमेरिका, इटली से भिड़ेगा।

डेविस के दो गोल से जीता न्यूजीलैंड

फ्रांसिस डेविस के दो गोल की मदद से न्यूजीलैंड ने शनिवार को यहां एफआईएच महिला ओलंपिक क्वालीफायर के अपने शुरुआती पूल बी मैच में तीन पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर इटली को 3-0 से हराया। न्यूजीलैंड के लिए डेविस (सातवें, 51वें मिनट) के अलावा स्टेफनी डिकिंस (53वें मिनट) भी गोल दागने में सफल रही। न्यूजीलैंड ने इस मैच की शुरुआत से आक्रामक खेल से इटली की रक्षा पंक्ति पर दबाव बना दिया।

जर्मनी ने चिली को 3-0 से हराया

खिताब के प्रबल दावेदार जर्मनी ने दमदार प्रदर्शन करते हुए शनिवार को यहां अपने से कम रैंकिंग के चिली को 3-0 से हराकर एफआईएच महिला ओलंपिक हॉकी क्वालीफायर में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। विश्व में पांचवें नंबर की टीम जर्मनी ने पूल बी के शुरुआती मैच में सेलिन ओरुज (7वें मिनट), जेटे फ्लेस्कट्ज (10वें) और लिसा नोल्टे (38वें) के गोल की मदद से दुनिया की 14वें नंबर की टीम चिली पर आसान जीत दर्ज की।

जापान ने चेक गणराज्य को दी मात

एशियाई खेलों के पूर्व चैंपियन जापान को शनिवार को यहां एफआईएच महिला ओलंपिक क्वालीफायर के पूल ए के शुरुआती मैच में निचली रैंकिंग पर काबिज चेक गणराज्य को 2-0 से हराने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। जकार्ता एशियाड 2018 जीतने वाली जापान की टीम ने हालांकि मैच के ज्यादातर हिस्से में नियंत्रण बनाए रखा लेकिन दो ही गोल कर सकी। मियू सुजुकी ने चौथे मिनट में जापान के लिए दूसरे पेनल्टी कॉर्नर पर रिबाउंड पर पहला गोल दागा।

विजयवीर ने भारत को दिलाया 17वां पेरिस ओलंपिक कोटा

एजेंसी ⏭ जकार्ता

भारत के विजयवीर सिद्धू ने शनिवार को यहां एशिया ओलंपिक क्वालीफायर की पुरुष 25 मीटर रैपिड फायर स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश को 17वां पेरिस ओलंपिक कोटा दिलाया।

इस तरह वह 25 मीटर रैपिड फायर में पेरिस ओलंपिक कोटा दिलाकर सीनियर साथी अनीश भानवाला के साथ शामिल हो गए। उन्होंने फाइनल में क्वालीफाई करते ही कोटा हासिल कर लिया था। शनिवार को फाइनल में पहुंचने वाले छह में से चार निशानेबाजों को कोटा स्थान मिलना तय था। चंडीगढ़ के विजयवीर ने एलिमिनेशन राउंड में 28 का निशाना लगाते ही रजत पदक जीतकर शान से कोटा प्राप्त किया। वह कजाखस्तान के निकिता चिरयुकिन से पीछे रहे जिन्होंने 32 के शॉट से स्वर्ण पदक जीता।

सात्विक-चिराग सुपर 1000 खिताब से एक जीत दूर

एजेंसी ⏭ कुआलालंपुर

एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने शनिवार को कोरिया की विश्व चैंपियन सेओ सेउंग जे और कांग मिन ह्युकडिश की जोड़ी को को सीधे गेम में हराकर मलेशिया ओपन सुपर 1000 पुरुष युगल फाइनल में प्रवेश किया।

विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज भारतीय जोड़ी ने सत्र के अपने पहले टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में दूसरे गेम में शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने इस करीबी मुकाबले का पहला गेम 21-18 से जीता। दूसरे गेम में कोरिया की जोड़ी के पास छह गेम प्वाइंट थे लेकिन भारतीय जोड़ी ने लगातार आठ अंक जुटा कर इस गेम को 22-20 से जीतने के साथ फाइनल का टिकट पक्का किया। सात्विक और चिराग इस तरह

अपने दूसरे सुपर 1000 खिताब से केवल एक कदम दूर है। उन्होंने इस स्तर का अपना पहला खिताब पिछले साल जून में इंडोनेशियाई ओपन में जीता था। भारतीय जोड़ी ने इंडोनेशिया ओपन में भी इसी कोरियाई जोड़ी को हराया था।

नवारो ने जीता होबार्ट इंटरनेशनल खिताब

एजेंसी ⏭ होबार्ट

अमेरिका की दूसरी वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो ने शनिवार को यहां संघर्षपूर्ण फाइनल में दो बार की चैंपियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त एलिस मर्टेंस को हराकर होबार्ट इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता। पहली बार किसी डब्लूटीए टूर्नामेंट के फाइनल में खेल रही नवारो ने मर्टेंस को तीन सेट में 6-1, 4-6, 7-5 से हराकर जीत हासिल की। यह मैच दो घंटे 48 मिनट तक चला। इस तरह से अमेरिका की किसी खिलाड़ी ने लगातार दूसरे साल इस प्रतियोगिता का खिताब जीता। पिछले साल अमेरिका की ही लॉरेन डेविस यहां चैंपियन बनी थी।

एलेजांद्रो बने ऑकलैंड क्लासिक चैंपियन

ऑकलैंड। एलेजांद्रो टेबिलो ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को यहां टारो डेनियल को सीधे सेटों में हराकर एटीपी ऑकलैंड क्लासिक टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता। टेबिलो ने डेनियल को फाइनल में 6-3, 7-5 से पराजित करके अपने करियर का पहला एटीपी खिताब जीता। टेबिलो क्वालीफाइंग दौर के दो और मुख्य ड्रॉ में तीन मैच जीतकर फाइनल में पहुंचे थे। इस बीच क्वार्टर फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त कैमरन नोरी के कलाई की चोट के कारण हट जाने से भी उनको फायदा मिला।

श्रद्धांजलि

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः॥

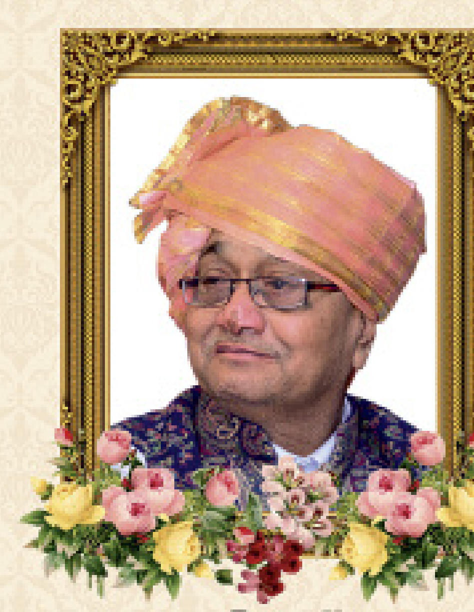

ब्रम्हलीन गौभक्त
स्व. श्री रामचरण जी अग्रवाल
अवतरण दिवस - 09.09.1956 | स्वर्गारोहण - 03.01.2024

शोकाकुल

धर्मपत्नी
श्रीमती संतोष अग्रवाल

भाई एवं बहू
रामगोपाल - शारदा अग्रवाल
अशोक - अनीता अग्रवाल
ओम - पिन्की अग्रवाल

पुत्री एवं दमाद
प्रभा - विनय जी
पारुल - उमेश जी
क्षमा - गितेश जी
पूजा - बिकाश जी

पुत्र एवं पुत्र वधु
प्रतीक - दीक्षिता अग्रवाल

दीदी - जीजा जी
कमलेश - डॉ. देवदास
मिथलेश - संतोष

भतीजी - दमाद
संध्या - नितीन जी
स्वाति - सौरभ जी
डॉ. राधिका - डॉ. समीर जी
श्रुति - अभिनव जी

भाई एवं भाभी
नानकचंद - सरोज अग्रवाल

भतीजा - बहू
वैभव - श्रुति, अनुनय - आशु
निलेश - साक्षी, हर्षित - राधिका

पौत्र
वेदान्श, अव्यान, हेयान्श

पौत्री
राध्या, श्रीजा

एवं समस्त मंगल परिवार

कार्यक्रम
गरुड़ समाप्ति, पगड़ी रस्म एवं श्रद्धांजलि
14 जनवरी 2024, रविवार, संध्या 4 बजे
कार्यक्रम स्थल - अग्रसेन भवन, औद्योगिक वार्ड, धमतरी

अनोखा तालाब, जिसके बीच में रास्ता, कर सकते हैं साइकलिंग

नई दिल्ली। दुनिया में एक ऐसा भी देश है, जहां एक अनोखा तालाब है। इस तालाब के बीचों बीच से चलकर जाया जा सकता है। यह तालाब बेल्जियम में है और अनोखा इस वजह से क्योंकि इस तालाब के बीच से चलकर जाने का रास्ता साफ है। इस तालाब में बीच से एक रास्ता है, जो पानी की हाइट से नीचे हैं। ये 200 मीटर का रास्ता है, जिस पर साइकलिंग कर के लोग आ-जा सकते हैं। इस पर साइकलिंग करने के दौरान कुछ पॉइंट ऐसे भी हैं, जहां पहुंचकर आपको लगेगा कि बिल्कुल पानी के लेवल पर आ गए हैं।

अब इस अनोखे तालाब का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसे 90 हजार से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। कई लोगों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक ने कहा कि जब शांत दिन होते होंगे तो यहां साइकलिंग करना तो बहुत अच्छा लगता होगा। एक ने कहा कि पानी के बीच साइकलिंग करना बेहद अनोखा अनुभव होगा। एक ने कहा कि आखिर इस तरह का आइडिया किसे आया होगा? एक ने कहा कि वो भी इस जगह पर कभी साइकलिंग करना चाहेगा।

बच्चे फोन में करवा रहे राम-रावण युद्ध, घर-घर गेम्स से छाए श्रीराम

नई दिल्ली। अयोध्या में श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर हर ओर जोर शोर से तैयारियां हो रही हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म भी इससे अछूता नहीं है। यहां भी कई प्रकार के अनूठे प्रयोग हो रहे हैं। श्रीराम से जुड़े कई एंड्रायड गेम भी आ गए हैं। प्ले स्टोर पर मौजूद ये गेम फोन में जमकर डाउनलोड किए जा रहे हैं। बच्चे भी इनमें खूब रुचि ले रहे हैं। ये गेम मंदिर निर्माण से लेकर राम-रावण युद्ध और रामायण के विभिन्न प्रसंगों पर तैयार किए गए हैं। आधा दर्जन गेम ऐसे हैं, जिन्हें खासा पसंद किया जा रहा है।

लिटिल आर्चर

इस गेम की रेटिंग 4.4 तक पहुंच गई है। इसमें राम-रावण का युद्ध होता है। युद्ध के दौरान रावण की रहस्यमयी शक्तियों और सेना को दिखाया गया है। इसे अब तक एक लाख से अधिक लोग डाउनलोड कर चुके हैं।

श्रीराम टेंपल

श्रीराम टेंपल को पांच में से 4.3 रेटिंग मिली है। इस गेम के माध्यम से लोग श्री राम टेंपल का थ्री डी निर्माण अपनी इच्छा के अनुसार कर रहे हैं। इसके निर्माण के लिए वर्चुअल औजार, जेसीबी आदि उपकरण भी दिए जाते हैं।

लिटिल राम

लिटिल राम गेम को भी खासा पसंद किया जा रहा है। इसकी रेटिंग 4.0 है। इसमें श्रीराम को बाल रूप में दिखाया गया है। इसमें श्रीराम रावण का वध करने लिए उसका पीछा करते हैं और अंत में उसका संहार करते हैं।

रामायण गेम्स

यह तीर-धनुष पर आधारित गेम है। इसमें राम अलग-अलग चुनौतीपूर्ण लेवल पार कर रावण का वध करते हैं। हर चरण में ये युद्ध बढ़ता जाता है। इसकी रेटिंग 4.1 है। इस भी अब तक एक लाख लोग डाउनलोड कर चुके हैं।

राम द योद्धा

इसमें रावण रूपी बुराइयों पर तीर से निशाना लगाकर उनका संहार करना होता है। इस तरह बुराई पर अच्छाई की जीत दिखाई गई है। इसकी रेटिंग 4.2 है। अभी तक इसे 50 हजार लोग डाउनलोड कर चुके हैं।

श्रीमंदिर गेम

इसकी भी रेटिंग 4.6 हो गई है। इसमें हिंदू पंचाग, हनुमान चालीसा, भजन, आरती एवं तमाम मंदिरों के साथ ही विभिन्न देवी देवताओं के बारे में बताया गया है। इसके अलावा 'ड्राइंग लार्ड राम' को भी यूजर पसंद कर रहे हैं। 4.2 रेटिंग वाले इस एप में नाम के अनुरूप भगवान राम की ड्राइंग आसानी से बनाई जा सकती है।

15 हजार किसानों ने उठाया प्रदर्शनी का लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

कुम्हारी के ग्राम खपरी में दो दिवसीय राज्य स्तरीय किसान मेला एवं कृषि संगोष्ठ में पन्द्रह हजार किसानों ने प्रदर्शनी का लाभ उठाया है। इस प्रदर्शनी कार्यक्रम में पहले दिन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शरीक हुए थे। इस दौरान आयोध्या के लिए दो ट्रक सब्जी भेजी गई। जिसे लेकर सीएम के द्वारा किसानों का सम्मान किया गया।

ग्राम खपरी में आयोजित की गई दो दिवसीय कार्यशाला

दो दिवसीय कार्यक्रम में प्रदेश के अलग अलग जिले से पन्द्रह हजार किसान पहुंचे थे। प्रदर्शनी में आटोमैटिक ड्रोन सिस्टम से दवा छिडकाव आकर्षक रहा। इसके आलावा पेस्टीसाइड, बीज और दवाईयों की करीब 120 कंपनियों के स्टाल खपरी में लगाए गए थे। किसान कंपनी के बीच प्रोडक्ट को समझाने काउसिलिंग भी कराया गया था। छग युवा प्रगतिशील किसान संघ के सचिव भूपेन्द्र दुबे ने बताया कि, प्रदर्शनी में किसानों के लिए बस और कार्यक्रम में भोजन की व्यवस्था कराई गई थी। प्रदर्शनी में कृषकों को नवीन कृषि तकनीक एवं विभागीय योजना उन्नत कृषि यंत्र जैविक खेती इत्यादि के प्रचार प्रसार हेतु विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल प्रदर्शनी में जानकारी दी गई। जिला अध्यक्ष विनायक ताम्रकार ने बताया कि, धमधा, पाटन, दुर्ग के किसान कृषि मेला और कृषक संगोष्ठी में शामिल हुए।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com